देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक – 92 । नर्मदापुरम, रविवार 29 जून 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

विद्या दान बैंक से छात्रों को मिल रही शैक्षिक सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें — पृष्ठ 2

एक दिन अचानक
कन्हैया लाल कपूर : उर्दू व्यंग्य लेखन के कुतुबमीनार — पृष्ठ 4

एसटीआर मे दो चौकीदार पर हमला करने वाले बाघ का हुआ रेस्क्यू — पृष्ठ 6

विद्यालय के कक्ष महापुरूषों के नाम पर रहे ताकि विद्यार्थी इतिहास से हो सकें परिचित — पृष्ठ 7

सार-समाचार

इंदिरा गांधी ने बदला था, संविधान का मूल ढांचा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आपातकाल के दौरान एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट का हवाला देते हुए शनिवार को कहा कि इससे साबित होता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान के मूल ढांचे से छेड़छाड़ की थी और यह कांग्रेस के मुंह पर एक तमाचा है। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबाधित किया। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, आज जो हमारे ऊपर आरोप लगाते हैं कि हम संविधान बदलना चाहते हैं। उनके मुंह पर यह 'एक तमाचा' है।'

आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रॉ प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा रॉ प्रमुख रवि सिन्हा का स्थान लेंगे जिनका कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पंजाब कैडर के 1989 बैच के अधिकारी श्री जैन को केबिनेट सचिवालय के अंतर्गत आने वाले रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है।

होसबोले के बाद अब उपराष्ट्रपति ने आगे बढ़ाई बहस

संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए शब्द नासूर

- भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ
- डॉ.अंबेडकर ने अत्यंत परिश्रम से यह कार्य किया

नई दिल्ली, देशबन्धु। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले ने संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवाद' शब्द जोड़ने को लेकर जो बहस शुरू की अब देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उसको और आगे बढ़ा दिया है। उपराष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रास्तावना में जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर हैं। सनातन की आत्मा के साथ किया गया एक पवित्र अपमान है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा किसी भी संविधान की प्रस्तावना उसकी आत्मा होती है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना अद्वितीय है। भारत को छोड़कर दुनिया के किसी भी देश की संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं हुआ है, और क्यों? प्रस्तावना अपरिवर्तनीय है. प्रस्तावना आधार है जिस पर पूरा संविधान टिका है. यह उसकी बीज-रूप है. यह संविधान की आत्मा है। लेकिन भारत की इस प्रस्तावना को 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत बदल दिया गया 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' जैसे शब्द जोड़ दिए गए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें आत्मचिंतन करना चाहिए डॉ.अंबेडकर ने अत्यंत परिश्रम से यह कार्य किया। उन्होंने अवश्य ही इस पर गहराई से विचार किया होगा। हमारे संविधान निर्माताओं ने प्रस्तावना को सही और उचित समझ कर जोड़ा था। लेकिन इस आत्मा को ऐसे समय बदला गया जब लोग बंधन में थे। भारत के लोग, जो सर्वोच्च शक्ति का स्त्रोत हैं वे जेलों में थे, न्याय प्रणाली तक पहुंच से वंचित थे। मैं 25 जून 1975 को लागू किए गए 22 महीनों के आपातकाल की बात कर रहा हूं।

संविधान के मुद्दे पर मैदान में उतरीं मायावती, कहा-

छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं, भाजपा कांग्रेस अंदर से एक

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आपातकाल के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने देश में संविधान के मूल स्वरूप में बदलाव की कोशिशों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बसपा ऐसे किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध करेगी और जरूरत पड़ी तो सड़कों पर आंदोलन भी किया जाएगा। मायावती ने कहा कि कांग्रेस और बीजेपी दिखावे में एक-दूसरे के विरोधी हो सकते हैं, लेकिन असलियत में दोनों संविधान संशोधन के मामलों में एकजुट हैं।

सूरत में आज निवेशकों से संवाद करेंगे मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 29 जून को गुजरात प्रांत के सूरत स्थित होटल मैरियट में आयोजित मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों पर इंटरएक्टिव सेशन में शामिल होंगे। यह आयोजन उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025 अभियान की श्रृंखला में बेंगलुरु के बाद दूसरा बड़ा संवाद होगा। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्रीय स्तर पर औद्योगिक समूहों से जुड़ाव बढ़ाना, रोजगार के अवसर सृजित करना और निवेश को सुगम बनाना।

टेक्सटाइल, पेट्रोकेमिकल्स, फार्मा और इंजीनियरिंग सेक्टर्स पर होगा फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राज्य के औद्योगिक विकास का दीर्घकालिक दृष्टिकोण, अधोसंरचना विस्तार और निवेशकों के लिए बनाए गए भरोसेमंद वातावरण को रेखांकित करेंगे। साथ ही उद्योगपतियों से वन-टू-वन मुलाकात करेंगे, जिसमें निवेश-विशेष साझेदारियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इंटरएक्टिव सेशन का मुख्य फोकस उन सेक्टरों पर रहेगा, जिनमें मध्यप्रदेश की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त स्पष्ट रूप से सामने आती है। इसमें वस्त्र एवं परिधान, पेट्रोकेमिकल्स और रसायन, बल्क ड्रग्स, फार्मास्यूटिकल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, इंजीनियरिंग एवं संबद्ध निर्माण इकाइयां शामिल है। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की निवेश-उन्मुख परियोजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की 18 नवीन सेक्टोरल नीतियों और औद्योगिक सहयोग के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी भी निवेशकों को दी जाएगी। कार्यक्रम में साउथ गुजरात जोनल काउंसिल के चेयरमैन एवं प्रवीन लैबोरेट्रीज़ प्रा. लि. के निदेशक हेतुल मेहता स्वागत भाषण देंगे। मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, अधोसंरचना और नीतिगत नवाचारों पर केन्द्रित फिल्म 'इनफिनिट पॉसिबिलिटीज इन एमपी' का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन राघवेंद्र कुमार सिंह राज्य में उपलब्ध भूमि, हालिया औद्योगिक नीतियों और निवेश की दिशा में उठाए गए प्रभावी कदमों पर एक विशेष प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर उन उद्योगपतियों के अनुभव भी साझा किए जाएंगे, जो पहले से ही मध्यप्रदेश में सफलतापूर्वक परिचालन कर रहे हैं। देश और विदेश के विभिन्न शहरों में सतत संवाद और केंद्रित प्रयासों के माध्यम से मध्यप्रदेश, भारत में औद्योगिक निवेश के लिए एक अग्रणी गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति लगातार सुदृढ़ कर रहा है।

अंतरिक्ष से भारत भव्य दिखता है : शुभांशु

प्रधानमंत्री ने स्पेस स्टेशन गए शुभांशु से की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक्सियम मिशन 4 पर गए भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला से वीडियो कॉल पर बातचीत की। प्राइम मिनिस्टर ऑफिस ने शनिवार शाम 5.49 बजे इस बातचीत का वीडियो जारी किया। दोनों के बीच 18 मिनट 25 सेकेंड बातचीत हुई।

शुभांशु ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा- अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। हम दिन में 16 सूर्योदय और 16 सूर्यास्त देखते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन गए हैं। क्या आपने अपने साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा कि हां साथियों के साथ बैठकर खाया। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु दो दिन पहले 26 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे हैं। वे 41 साल बाद स्पेस में जाने वाले भारतीय हैं। वे एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे सभी एस्ट्रोनॉट के साथ आईएसएस के लिए रवाना हुए थे।

विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा द्वारा शासकीय स्कूल में बांटी सामग्री

विद्या दान बैंक से छात्रों को मिल रही शैक्षिक सामग्री और प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें

इटारसी, देशबन्धु। इटारसी में विद्या दान बैंक शिक्षा के क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण पहलों के साथ सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। एक ओर जहां इसने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए पुस्तकों का संग्रह शुरू किया है, वहीं दूसरी ओर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के हाथों 101 बच्चों को स्कूल बैग और अन्य आवश्यक शैक्षिक सामग्री वितरित की गई है। इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने विद्या दान बैंक की सराहना करते हुए शिक्षा के महत्व पर एक प्रेरक उद्बोधन भी दिया, सभी का स्वागत किया और इसका शुभारंभ भी किया।शहरी आजीविका केंद्र, इटारसी में संचालित विद्या दान बैंक ने उन छात्रों के लिए एक सराहनीय पहल की शुरुआत की है, जिन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकों की आवश्यकता है, लेकिन आर्थिक रूप से उन्हें खरीदने में असमर्थ हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करना है। विद्या दान बैंक समुदाय से अपील करता है कि वे अपनी पुरानी या नई प्रतियोगी परीक्षा की पुस्तकें दान करें, ताकि अधिक से अधिक छात्र इस सुविधा का लाभ उठा सकें। इच्छुक छात्र शहरी आजीविका केंद्र, इटारसी में संपर्क कर सकते हैं।

101 छात्रों को सामग्री वितरित:–शिक्षा के प्रति उत्साह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, विद्या दान बैंक और मुस्कान संस्था के सहयोग से न्यास कॉलोनी के सरकारी स्कूल के 101 छात्रों को स्कूल बैग, पाठ्यपुस्तकें, नोटबुक, पेंसिल, पेन, कंपास बॉक्स और अन्य स्टेशनरी आइटम प्रदान किए। इन सामग्रियों का वितरण विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने किया। उन्होंने ही फ्रंट लाइन से बच्चों को सामग्री देकर विद्या दान बैंक का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में महेश चौकसे, भाजपा मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, नर्मदापुरम मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, सभापति पार्षद मनजीत कलोसिया और अर्पित मालवीय सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सिंह ठाकुर ने इस सराहनीय प्रयास का नेतृत्व किया और पत्रकार अनिल मिहानी तथा विनोद पटेल को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने उन गुमनाम नागरिकों का भी आभार व्यक्त किया जिनके समर्थन से यह वितरण संभव हो पाया। मनीष ठाकुर ने आशा पटेल और गुलाब साहू को भी विधायक शर्मा और मुस्कान संस्था का धन्यवाद अदा करने प्रेरित किया।

सपनों को पंख देने और आशा को मजबूत करने का कार्य है

इस अवसर पर विधायक डॉ. शर्मा द्वारा शिक्षा से जुड़े इस कार्य के लिए पूरी टीम को बधाई दी गई। विधायक ने कहा, शिक्षा ही हमारे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार है। विद्या दान बैंक जैसी पहल यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी बच्चा संसाधनों की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। यह केवल किताबें और स्टेशनरी का वितरण नहीं है, बल्कि यह सपनों को पंख देने और आशा को मजबूत करने का कार्य है।

राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी ने सरस्वती स्कूल सभागार में किया पौधरोपण

इटारसी, देशबन्धु।राष्ट्रीय युवा हिन्दू वाहिनी जिला नर्मदापुरम इटारसी की सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने मिलकर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अपने 551 पौधारोपण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पौधारोपण सरस्वती विद्या मंदिर मालवियागंज में किया। इस दौरान आंवला, करंजी, सिंदूर, विद्या, बेलपत्र, गुलमोहर, ऐसे अलग-अलग प्रकार के 11 पौधे सभी सदस्य, स्कूल के प्राचार्य एवं आचार्य ने मिलकर रोपे। इस अवसर पर हिंदू वाहिनी की जिलाध्यक्ष अर्चना मालवीय, संरक्षक ममता मालवीय, ब्लॉक अध्यक्ष चांदनी शुक्ला, ज्योति त्रिवेदी, ज्योति तोमर, अनु सिंह, नीलम मालवीय, सपना चौहान, सोनम चौधरी, रूबल मदान, रश्मि, आदि उपस्थित थे।

प्रतिबंधित अवधि में शहर में आने वाले डंपरों पर होगी सख्ती: ट्रैफिक पुलिस

रेलवे स्टेशन, मालगोदाम और नाला मोहल्ला में हो रही है सबसे अधिक परेशानी

इटारसी, देशबन्धु। जुझारपुर रेलवे क्रासिंग पर ट्रैक मेंटेनेंस के कारण गेट बंद होने से वहां का सारा यातायात दबाव ओवरब्रिज होकर रेलवे स्टेशन के सामने से डोलरिया रोड पर बढ़ गया है। खासकर यहां से निकले वाले डंपरों की संख्या बहुतायत है। डंपरों की यहां से आवाजाही ने दुर्घटना की संभावना को बढ़ा दिया है। पुलिस का कहना है कि ऐसे डंपरों पर अब सख्ती की जाएगी। रेलवे स्टेशन के सामने, बस स्टैंड के सामने और रेलवे मालगोदाम, राज टाकीज तिराहे पर सबसे अधिक भीड़ और कुछ देर का जाम भी लग जाता है। हालांकि पुलिस ने डंपरों के प्रवेश के लिए समय सीमा निर्धारित की है, बावजूद इसके कुछ डंपर चालक बेखौफ प्रतिबंधित अवधि में प्रवेश कर रहे हैं। बता दें कि जुझारपुर रेलवे क्रासिंग पर रेलवे द्वारा ट्रैक मेंटेंन करने गेट को बंद किया है। इटारसी से तरोंदा, जमानी, पीपलढाना, तीखड़, धरमकुंडी होकर जाने वाला ट्रैफिक अब ओवरब्रिज से बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मालगोदाम, नाला मोहल्ला, मेहरागांव होकर जा रहा है। रेलवे स्टेशन के सामने भीड़ हमेशा रहती है, ऐसे में डंपरों की आवाजाही से जाम की स्थिति बन जाती है। हालांकि ट्रैफिक पुलिस का दावा है कि ओवरब्रिज पर पुलिस कर्मी की ड्यूटी लगायी गई है, जो डंपरों को प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं, बावजूद इसके डंपर शहर में प्रवेश कर रहे हैं, जो पुलिस की ड्यूटी पर सवाल उठा रहे हैं।

जुझारपुर गेट बंद होने से इटारसी के भीतर से निकल रहे हैं ओवरलोडेड डंपर

ट्रक ऑनर्स एसोसिएशन की मांग

जुझारपुर रोड बंद होने से शहर से निकल रहे ओवरलोड डंपरों के लिए नगर निरीक्षक थाना इटारसी गौरव सिंह से पिछले दिनों ट्रक ऑनर एसोसिएशन ने भी निवेदन किया था कि डंपरों को दिन में सुबह 10 से रात को 10 बजे तक नो एंट्री रखी जाए। टीआई गौरव सिंह बुंदेला ने ट्रैफिक इंचार्ज को निर्देशित किया और ओवरब्रिज पर पाइंट भी लगा है, बावजूद इसके डंपर शहर में प्रवेश कर रहे हैं। कल शाम को 7 बजे के बाद से डंपरों ने शहर में प्रवेश करना प्रारंभ कर दिया था, जिसके फोटो-वीडियो हमारे पर हैं।

रैक लगने से बढ़ जाती है समस्या

इसी मार्ग पर रेलवे मालगोदाम है और यहां जब रैक लगता है तो समस्या गंभीर हो जाती है। मालगोदाम आने-जाने वाले ट्रक और डंपरों के कारण जाम की स्थिति बन जाती है। ट्रक ऑनर वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेन्द्रपाल सिंह भाटिया ने कहा कि रेलवे माल गोदाम पर लोडिंग और अनलोडिंग के रैक लगने से वैसे भी ट्रैफिक बढ़ जाता है, ऐसे में यातायात अवरुद्ध न हो इसके लिए डंपरों के प्रवेश पर सख्ती से पाबंदी लगानी होगी। सख्ती बरतने से ही डंपरों का प्रवेश बंद होगा और समस्या में कमी आ सकेगी।

इनका कहना है

हमने ट्रैफिक इंचार्ज को निर्देशित कर दिया है, कि वे प्रतिबंधित अवधि में डंपरों का प्रवेश रोकें। यदि अब भी डंपर आ रहे हैं तो हम उनसे दोबारा जानकारी लेंगे। इसे सख्ती से रोका जाएगा।

गौरव सिंह बुंदेला, टीआई

डंपरों का प्रवेश सुबह 10 से रात 10 बजे तक प्रतिबंधित है। इसके लिए हमने ओवरब्रिज पर पाइंट लगाया है, बावजूद इसके कोई डंपर आया है तो हम ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी को सख्ती करने को कहेंगे।

सुनील घावरी, एसआई, ट्रैफिक इंचार्ज

21 अगस्त 2025 को रीवा शहर से अपनी यात्रा पर रवाना होगी

दो ज्योतिर्लिंग सहित दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए रीवा से रवाना होगी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन, इटारसी से भी बैठ सकेंगे यात्री

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों को भारतीय रेलवे की पर्यटक सेवाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का विशेष संचालन किया जा रहा है। यह ट्रेन 21 अगस्त 2025 को रीवा शहर से अपनी यात्रा पर रवाना होगी, जो दो ज्योतिर्लिंग के साथ दक्षिण दर्शन यात्रा के तहत दक्षिण भारत के महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों का दर्शन कराएगी। यह 10 रातें और 11 दिनों की यात्रा रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, इटारसी, बैतूल, नागपुर और सेवाग्राम स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन में सवार हो सकेंगे। इस पवित्र यात्रा के दौरान यात्री तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शनीय एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। यात्रियों के लिए यह यात्रा तीन श्रेणियों में उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें स्लीपर (इकॉनमी) श्रेणी के लिए 20,800 रुपए प्रति व्यक्ति, 3 एसी (स्टैण्डर्ड) श्रेणी के लिए 35,000 रुपए प्रति व्यक्ति और 2 एसी (कम्फर्ट) श्रेणी के लिए 46,500 प्रति व्यक्ति निर्धारित किया है।

यह यात्रा सर्व समावेशी पैकेज के रूप में उपलब्ध होगी, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड एवं ऑफ-बोर्ड भोजन, गुणवत्तापूर्ण बसों से स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, होटल में आवास, टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सुविधाएं शामिल हैं। इच्छुक यात्री अपनी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctc-tourism.com के माध्यम से ऑनलाइन या किसी अधिकृत एजेंट के माध्यम से कर सकते हैं। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी यात्रा की योजना समय रहते सुनिश्चित करें।

यातायात विधिक जागरुकता शिविर में नियमों का पालन करने वालों का किया सम्मान

इटारसी, देशबन्धु। आज खेड़ा पर लगे यातायात विधिक जागरुकता शिविर में न्यायाधीश आदित्य रावत, टीआई गौरव सिंह बुंदेला और ट्रैफिक इंचार्ज सुनील घावरी ने यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों का सम्मान किया। कार्यक्रम साईंकृष्णा रिसॉर्ट के सामने सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया गया था जिसमें न्यायाधीश आदित्य रावत ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी।

इस दौरान हेलमेट पहनकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों का सम्मान किया। शिविर में बताया कि तेज गति से वाहन चलाना, शराब पीकर वाहन चलाना, हेलमेट न पहनना और वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने जैसे कारणों से दुर्घटना में क्षति होती है।

कावेरी एस्टेट में नन्हें भक्तों ने सजायी झांकी, निकाली जगन्नाथ रथयात्रा

इटारसी, देशबन्धु। कावेरी एस्टेट में नन्हे-मुन्हे भक्तों ने महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली। रथयात्रा में शामिल महिला मंडल की सदस्य शामिल हुईं और बाल भक्तों को पुरस्कृत किया गया।

कावेरी स्टेट निवासी कक्षा चार के छात्र विवान जायसवाल ने यूट्यूब पर भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा देखकर रथयात्रा निकालने की योजना बनाई और अपने गुल्लक के पैसे निकाल कर भगवान जगन्नाथ की सुंदर झांकी सजा दी। माता पिता ने सभी पड़ोसियों को आमंत्रित कर पहले भगवान जगन्नाथ की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर चावल, मालपुये, हलवा भजिये, मिष्ठान, फल, आम जामुन केला, तीन तरह के पेय आदि से भोग लगाया। कावेरी मेन गेट से मंदिर तक महिला मंडल के सहयोग से ढोलक मंजीरों पर भजन गाते हुए रथ यात्रा निकाली।

मंदिर पहुंच कर यात्रा का विश्राम हुआ। आरती पश्चात् प्रसादी वितरण किया। विवान और उसके दोस्त रुद्रांश शर्मा, वेदांश शर्मा, श्रीनित्या अग्रवाल, कीवी अग्रवाल, वेद शर्मा की भक्ति देखकर कावेरी महिला मंडल ने सुंदर झांकी निर्माण पर पुरस्कार भी दिया।

तहसील विधिक साक्षरता शिविर में पक्षकारों के मध्य मध्यस्थता पर जोर

इटारसी, देशबन्धु। तहसील इटारसी विधिक साक्षरता समिति के अध्यक्ष एडीजे आदित्य रावत ने मीडियेशन केंद्र इटारसी में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर एडीजे आदित्य रावत, एडीजे अनीता खजूरिया, अधिवक्ता संघ के सचिव पारस जैन, नाजिर अनूप रघुवंशी, सदस्य जिनेंद्र जैन, रघुराज सिंह बघेल, मुकेश आर्य, बसंत केवट, संजय गुप्ता, राजेश चौरे, संजय मेहतो, विनोद भावसार, कंचनलाल मेहरा, अरविंद तिवारी, चन्द्र शेखर चौरे, उपाध्यक्ष ममता नागेश, नीरा शुक्ला, विधि छात्र स्वाति व न्यायालीन कर्मचारी उपस्थित रहे।

कानपूर सेंट्रल-एलटीटी कानपुर सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल से होगा इन शहरों को फायदा

इटारसी। रेल प्रशासन द्वारा रेल यात्रियों की सुविधा हेतु स निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। गाड़ी संख्या 04151/04152 कानपूर सेंट्रल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस-कानपुर सेंट्रल सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के संचालन को यात्रियों की बढ़ती मांग के मद्देनजर विस्तारित एवं संचालन समय में आंशिक संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही अब यह स्पेशल ट्रेन उत्तर मध्य रेल पर आंशिक संचालन समय संशोधन के साथ चलेगी। इस स्पेशल ट्रेन के विस्तार से पश्चिम मध्य रेल के सतना, कटनी, जबलपुर एवं इटारसी के स्टेशनों के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा।

ई-अटेंडेंस योजना समूचे विभागों में एक साथ लागू करने की मांग पर शिक्षकों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

बनखेड़ी, देशबन्धु। राज्य शिक्षक संघ मध्यप्रदेश शाखा बनखेड़ी ने शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम नायब तहसीलदार को सामूहिक ज्ञापन सौंपकर स्कूल शिक्षा विभाग में लागू की जा रही ई-अटेंडेंस योजना पर आपत्ति जताई। संघ ने मांग की कि यह व्यवस्था केवल शिक्षकों पर न थोपकर समस्त शासकीय विभागों के कर्मचारियों पर एकसाथ लागू की जाए। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि हमारे शिक्षक एप्प के माध्यम से शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज कराने की योजना से समाज में यह गलत संदेश जा रहा है कि शिक्षक अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाह हैं। ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के शिक्षक पूरी ईमानदारी और समर्पण से कार्य कर रहे हैं, जिसका परिणाम बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के रूप में सामने आया है और मुख्यमंत्री स्वयं भी शिक्षकों के कार्यों की सार्वजनिक रूप से प्रशंसा कर चुके हैं। संघ के प्रतिनिधि सोनी ने कहा कि गुरु के लिए सम्मान सबसे बड़ा धन है और केवल शिक्षकों पर ई-अटेंडेंस लागू करने का कदम गुरु पद की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि जब तक योजना सभी विभागों में एकसाथ लागू न हो, तब तक इसे शिक्षकों के लिए स्थगित किया जाए।

हाउसिंग बोर्ड कालोनी में सड़क पर हो रहा नलकूप खनन

इटारसी, देशबन्धु। प्रतिबंध के बावजूद शहर में नलकूप खनन किया जा रहा था। इसे रोकने के आदेश सीएमओ ने दिये जिसे हवा में उड़ा दिया गया। दूसरे दिन भी खनन का काम चलता रहा। दूसरी बड़ी बात यह है कि निजी उपयोग के लिए नलकूप का खनन सड़क पर हो रहा था। मामला पुरानी इटारसी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का है। गर्मी के मौसम में नगर पालिका ने नगर पालिका क्षेत्र के अंदर नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध की अवधि अभी समाप्त नहीं हुई है, बावजूद इसके पुरानी इटारसी दीनदयाल नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कॉलोनी में नलकूप का खनन हो रहा था। नगर पालिका परिषद ने गर्मी में पानी के जलस्तर को देखते हुए नलकूप खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है, इसकी अवधि फिलहाल समाप्त नहीं हुई है और अभी पर्याप्त बारिश भी नहीं हुई है लेकिन इस आदेश को नजरअंदाज करते हुए नलकूप खनन किए जा रहे हैं। इसी का ताजा उदाहरण दीनदयाल नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में देखने में आया है। सड़क पर किया जा रहा है नलकूप खनन निजी उपयोग के लिए नलकूप का खनन सड़क नहीं किया जा सकता।

नगर पालिका के नलकूप खनन पर लगे प्रतिबंध को नजर अंदाज किया जाना आम बात हो सकती है लेकिन सड़क पर निजी उपयोग के लिए नलकूप खनन कराना पूर्णता गलत है, जो नियमों के खिलाफ है, ऐसे तो सभी लोग अपने निजी उपयोग के लिए सड़क पर नलकूप खनन कर लेंगे हालांकि शहर में कुछ ऐसे ही हालात हैं। बाजार क्षेत्र में और शहर की कॉलोनी और गली मोहल्ले में लोगों ने अतिक्रमण करके रखा हुआ है जबकि सड़क सार्वजनिक उपयोग के लिए होती है लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं है।

इनका कहना है

इस मामले की जानकारी मिली थी, जानकारी मिलने के बाद खनन का काम रुकवा दिया गया है

ऋतु मेहरा, सीएमओ इटारसी

जूनियर बालक अंतर जिला फुटबाल प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला

जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में इंदौर विजेता

इटारसी, देशबन्धु। श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया खेल प्रशाल में आयोजित जूनियर बालक अंतर जिला फुटबाल प्रतियोगिता का खिताबी मुकाबला इंदौर ने भोपाल को हराकर जीत लिया है। आज फाइनल में इंदौर ने भोपाल को 3-2 गोल से हराया।

मैच में प्रथम हाफ में भोपाल ने शानदार गोल मारकर बढ़त बनाई जो मध्यांतर तक रही। मध्यांतर के बाद इंदौर ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए गोल करके बराबरी कर ली। भोपाल ने फिर अटैक करते हुए गोल मारकर बढ़त बनायी, इंदौर ने फिर स्कोर 2-2 कर लिया। मैच समाप्ति के पहले इंदौर ने एक गोल और मारकर 3-2 से फाइनल का खिताब अपने नाम किया। बेस्ट गोलकीपर का खिताब सीहोर, बेस्ट डिफेंस नर्मदापुरम के नमन चौधरी, बेस्ट मिडफील्डर इंदौर के कनिष्क शर्मा और बेस्ट फारवर्ड नर्मदापुरम के लक्ष्मण को दिया।

प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वर्तमान विधायक डॉ सीतासरन, इटारसी नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल, जय किशोर चौधरी, हुजैफा बोहरा पचमढ़ी से, मनीष ठाकुर, सिद्धू पांडे ने विजेता, उपविजेता को पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर प्रतियोगिता के अध्यक्ष विष्णु शंकर पांडे, सचिव सत्यम अग्रवाल, चिन्ना राव, भूषण कनौजिया, अरविंद ठाकुर, जीतेंद्र रैकवार, सौभाग्य दुबे, मितेश बड़ोदिया, राजा राव, दिलीप परदेसी, डालचंद राज, गोलू मालवीय, प्रीतम तिवारी, भागवत राजपूत, रविंद्र चौधरी, सागर भैरुआ, विशाल कुशवाहा आदि लोग उपस्थित थे।

महाराष्ट्र से आई बिहार की महिला और बच्चों को मुस्कान का सहारा

इटारसी, देशबन्धु। महाराष्ट्र से काम की तलाश में निकली एक महिला, जो अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ अपनी सुधबुध खोकर देवलमंदिर पुरानी इटारसी के पास पहुंच गई थी, उसे इटारसी की 'मुस्कान संस्था' ने सहारा दिया है। स्थानीय निवासियों की सतर्कता और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रयासों से यह संभव हो पाया।

देवल मंदिर के पास महिला और उसके बच्चों को असहाय देखकर वहां के निवासियों ने तत्काल पार्षद शिवकिशोर रावत और गोल्डी चौधरी को सूचना दी। पार्षद शिवकिशोर रावत ने तुरंत सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर से संपर्क किया, जिन्होंने अपनी स्कूटी से महिला और बच्चों को मुस्कान संस्था तक पहुंचाया।

मुस्कान संस्था के सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर ने बताया कि महिला और उसके दोनों बच्चे फिलहाल संस्था के शक्ति सदन में सुरक्षित रहेंगे। कल उनका इनका मेडिकल चेकअप किया जाएगा, जिसके बाद उनकी परामर्श काउंसलिंग भी होगी। संस्था महिला के परिवार से संपर्क करने का प्रयास करेगी और उन्हें उनके परिजनों से मिलाने की हर संभव कोशिश की जाएगी। मनीष ठाकुर ने यह भी बताया कि यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले इस साल में ऐसी लगभग 6 महिलाएं उनके संस्थान में आई हैं। उनमें से कुछ की याददाश्त कुछ महीनों बाद वापस आ गई, जिसके बाद उन्हें उनके परिवारों तक सकुशल पहुंचाया गया। मुस्कान संस्था इस तरह की विषम परिस्थितियों में फंसी महिलाओं और बच्चों के लिए आशा की किरण बनी हुई है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

सांसद चौधरी, कलेक्टर मीणा ने प्रशासकीय स्वीकृति जारी की

नर्मदापुरम, देशबन्धु। लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा 01 कार्य के लिए 01 लाख 43 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जारी की गई प्रशासकीय स्वीकृति में सांसद निधि से स्वीकृत राशि भी सम्मिलित है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड बनखेड़ी के ग्राम चांदौन में कचरा संग्रहण करने के लिए वाहन क्रय किए जाने हेतु 01 लाख 43 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

पिछले 24 घंटों में जिले में 4.6 मि.मी. औसत वर्षा, अब बंद हो गए कूलर

हरदा, देशबन्धु। जिले में गत चौबीस घंटों में 4.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया गत चौबीस घंटे में हरदा तहसील में 0.8 मि.मी., टिमरनी में 0 मि.मी., खिरकिया में 18.4 मि.मी., सिराली में 2.8 मि.मी. तथा रहटगांव में 1.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। इस वर्ष अब तक जिले में 191.2 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी है। इस वर्ष अब तक हरदा तहसील में 171.5 मि.मी., टिमरनी में 231.2 मि.मी., खिरकिया में 277.6 मि.मी., सिराली में 176.4 तथा रहटगांव में 99.6 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि गत वर्ष की 28 जून तक 97 मि.मी. औसत वर्षा हो चुकी थी।

सनफ्लावर स्कूल में किया गया मड डे का आयोजन, बच्चे हुए खुश

हरदा, देशबन्धु। सनफ्लावर स्कूल में शनिवार को इंटरनैशनल मड डे का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न कक्षा वर्ग के छात्र छात्राओं ने भाग लेकर उत्साह पूर्वक चित्रकला प्रतियोगिता, पोस्टर बनाए। प्राथमिक वर्ग के छात्रों ने मिट्टी से विभिन्न प्रकार की मूर्तियां बनाई हॉयर वर्ग के छात्रों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लेकर मिट्टी की महिमा का गौरव बतलाया प्राचार्य चंद्रलेखा रेड्डी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि, वर्तमान में आधुनिकता की दौड़ में बच्चों ने बाहर खेलना छोड़ दिया है। उनको प्रकृति के करीब लाने की कोशिश मड डे का प्रमुख उद्देश्य है। मिट्टी में खेलना या मिट्टी से खेलना की सीख देना आज के आयोजन की कामयाबी है।कार्यक्रम में उपप्राचार्य राजेश जोशी, मृदुला पटेल, अंकित परिहार, रश्मि बंसल सहित अनेक शिक्षक शिक्षिका उपस्थित थे।

रोहित तिवारी बने राष्ट्रीय प्रचार मंत्री

हरदा, देशबन्धु। अखिल भारतीय श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री के पद पर वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार रोहित तिवारी का मनोनयन किया गया है।महासभा के अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने श्री तिवारी की संगठन के प्रति निष्ठा,समर्पण,सेवा भाव एवं उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता को ध्यान में रखकर वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी रोहित तिवारी को राष्ट्रीय प्रचार मंत्री बनाया है।उनकी नियुक्ति पर सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनील तिवारी,पंडित ओमप्रकाश पुरोहित,संरक्षक चंद्रकांत शुक्ला,राजेश पाराशर,महामंत्री लोकेश शर्मा, उत्तम तेनगुरिया,संयोजक प्रदीप पटेल ,नितेश बादर, संदीप पाराशर,अखिलेश पाराशर, शांति कुमार जैसानी, शैलेन्द्र शुक्ला , विवेक बादर, सुदीप मंडलोई, नवीन शर्मा,दीपक शुक्ला,सौरभ तिवारी , संदीप पुरोहित, सतीश तिवारी , मनीष व्यास,दीप उपाध्याय , संतोष व्यास सहित समाजजनों ने उन्हें बधाई दी और उज्वल भविष्य की कामना की।

नर्मदांचल में खाद की कमी से मची हाय तौबा, सोसायटियों के चक्कर लगाकर थक गए धरतीपुत्र

खाद है नहीं, ऐसे में कैसे कृषि बनेगी लाभ का धंधा ?

नर्मदापुरम/ बैतूल/ हरदा, देशबन्धु। किसान फिर परेशान है। खेती बाड़ी का काम सिर पर है और खाद का संकट बना हुआ है। इन दिनों धान सहित तमाम फसलों की बुआई का सीजन शुरू हो चुका है किंतु खाद की कमी से किसानों के सामने संकट आ खड़ा हुआ है। नर्मदापुरम से अंशुल पांडे/ बैतूल से राजेंद्र धोटे और हरदा से शैलेंद्र शुक्ला, आठनेर से विलास खातरकर बताते हैं कि, यूरिया खाद की कमी बनी हुई है। आदिम जाति सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को वितरित किया जाने वाला यूरिया खाद की किल्लत पूरे आठनेर विकासखंड में बनी हुई है। 8 सहकारी समितियां है सभी सहकारी समितियों के प्रबंधकों द्वारा शासन से अप्रैल माह में ही यूरिया की डिमांड कर दी गई थी मगर आलम यह है की डिमांड के अनुसार चाही गई खाद की आपूर्ति अभी तक सभी समितियों में 50 प्रतिशत भी नहीं हो पाई है। आठनेर सहकारी समिति द्वारा 1500 टन यूरिया की डिमांड की गई थी मगर महज 300 टन खाद ही मिल पाई है। बाकी खाद आना बाकी है। इसी प्रकार पूसली सहकारी समिति द्वारा 1000 टन यूरिया की डिमांड अप्रैल माह में ही कर दी गई थी मगर अभी तक 482 टन ही खाद मिल पाई है। ऐसे में खाद की गाड़ी एक-एक करके आती है। कभी इस समिति को तो कभी उस समिति को लेकिन जब भी खाद आती है किसानों द्वारा पहले प्राप्त करने की होड मच जाती है ऐसे में शाखा प्रबंधकों द्वारा किसानों को खाद की आपूर्ति करने में ऐड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ता है समिति प्रबंधकों द्वारा एक हेक्टेयर पर पांच बेग यूरिया दिया जाता है और अधिकतम 19 बेग एक किसान को देने का प्रावधान है चाहे रकबा कितना भी हो सहकारी समितियों के प्रबंधकों के अनुसार एक गाड़ी में 25 टन यानी 560 बेग आते हैं जब भी खाद की गाड़ी आती है तब सहकारी समितियों के प्रबंधकों द्वारा सभी किसानों को खाद मिले ऐसी व्यवस्था बनाई जाती है जिस किसान का पहले परमिट कटा है उसे प्राथमिकता के आधार पर खाद उपलब्ध कराया जाता है जिसके 19 बेगो का परमिट कटा है तो उसे महज 5 बेग ही मिल पाते हैं यूरिया खाद की किल्लत के विषय में सहकारी समिति आठनेर के शाखा प्रबंधक वी डी काकडे से इस विषय पर चर्चा करने हेतु मोबाइल 9479520420 पर संपर्क किया गया, मगर उन्होंने मोबाइल रिसीव नहीं किया। बताते हैं कि, खाद की कमी से किसानों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। किसानों के संगठन कह रहे हैं कि जल्द ही उर्वरकों की सप्लाई पूरी की जाए, ताकि किसान समय पर बुआई कर सकें और किसी संकट से बाहर निकला जा सके। कृषि कार्य में देरी नुकसान की पूरी गारंटी होती है।

दरअसल, क्षेत्र के किसान यूरिया और डाइअमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की कमी का सामना कर रहे हैं। किसान गुरुबख्श बुखारे का कहना है कि, यह खेती में काम आने वाले दो महत्वपूर्ण उर्वरक हैं। कमी की वजह से चालू मौसम में बुवाई प्रक्रिया में बाधा आ रही है।

किसान की अनदेखी आने वाले समय के लिए अच्छी नहीं, सरकार को अभी व्यवस्था करना चाहिए : किसान नेता

- किसान नेता **केदार सिरोही** कहते हैं, सरकार को प्रक्रिया आसान बनाने के लिए उर्वरकों का पूरा स्टॉक उपलब्ध कराना चाहिए। अभी हालत खराब है। सरकार ने अभी से व्यवस्था नहीं की तो रबी में हालात ज्यादा बिगड़ेंगे।

- ग्राम सावंगा के **पिंटू बारस्कर** का कहना है कि, मानसून समय पर आने व सक्रिय रहने के कारण जिले में खेती बाड़ी का काम जोरों पर है। धान लगाने के लिए किसानों ने खेतों में मेहनत करनी शुरू कर दी है। लेकिन जिले में खाद की किल्लत बनी हुई है। आवश्यकता के अनुसार समय पर खाद नहीं मिलने से जिले के किसान आक्रोशित हैं।

-हरदा के किसानों की आवाज **शांतिकुमार जैसानी** बताते हैं, किसानों की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। हम लोग सोमवार कुछ बड़ा करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि, खाद की रेक ही नहीं आ रही है। कुछ लोग ब्लैक मार्केटिंग करते हुए आज पकड़ाए भी हैं। उस पर एफआइआर दर्ज हुई है। ब्लैक लिस्टेड कर दिया है। सोसायटी में धांधली हो रही है। डीएपी का शार्टेज है। जनप्रतिनिधि भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। हमारा किसान मोर्चा इस मुद्दे पर प्रदर्शन करेगा।

- किसान **संजू शुक्ला** बताते हैं, इस वर्ष बारिश की स्थिति अच्छी है। इसलिए किसानों में विशेष उत्साह है।

सोसायटी में हो रहे विवाद

बैतूल में 91 सोसायटी है। इनमें 35 सोसायटी के पास तो भंडारण है लेकिन बाकी में दिक्कत होने से किसानों की परेशानी बढ़ गई। अशोक देशमुख जामठी सोसायटी के पास पर्याप्त है। कहीं कोई समस्या नहीं है। सोहागपुर सोसायटी योगेश गढेकर, खेडीकोर्ट में चंद्रशेखर पंडागरे के पास खाद नहीं है। सोसायटी में किसान आते हैं और नाराज होकर चले जाते हैं। किसान खाद के लिए सोसायटी का चक्कर काट रहे हैं। सुबह से लाइन लगने के बाद भी समिति द्वारा खाद नहीं मिलने से किसान आक्रोशित हैं। जब किसानों की बारी आई तो पता चला कि सोसायटी में खाद नहीं है। किसान आक्रोशित हो गए।

हरदा में पहली बार इस्कॉन द्वारा भव्य जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन

हरदा, देशबन्धु। धर्म, संस्कृति और भक्ति का एक ऐतिहासिक संगम हरदा की भूमि पर पहली बार साकार होने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्था इस्कॉन द्वारा हरदा में पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा का आयोजन 29 जून 2025, रविवार को किया जा रहा है। यह आयोजन नगरवासियों और श्रद्धालुओं के लिए एक अत्यंत दिव्य और दुर्लभ अवसर होगा, जिसमें भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा रथ पर आरूढ़ होकर नगर भ्रमण करेंगे और भक्तों को अपने दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्रदान करेंगे।

रथयात्रा का शुभारंभ दोपहर 3 बजे छीपानेर रोड स्थित कलेक्टर ऑफिस बायपास चौराहा से होगा और समापन शाम 7 बजे गुप्तेश्वर मंदिर परिसर में होगा। संपूर्ण यात्रा मार्ग भक्ति रस, हरिनाम संकीर्तन, भजनों की धुन, पुष्प वर्षा और भक्तों के जयघोष से गुंजायमान रहेगा। यात्रा के दौरान महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा और सभी श्रद्धालुओं को रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

यह रथयात्रा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक आत्मिक जागरण का अभियान है। इस्कॉन के संस्थापकाचार्य की प्रेरणा से यह आयोजन हर एक व्यक्ति तक भक्ति, सेवा और समर्पण की भावना पहुंचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

इस ऐतिहासिक आयोजन की मुख्य भूमिका में इस्कॉन हरदा के प्रमुख हेमांग निमाई, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल वर्मा, चिकित्सक शरद दोगने एवं आयोजन समन्वयक के रूप में प्रसिद्ध फोटोग्राफर नम्रता मोराने सक्रिय हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अस्पताल में हुई बैठक

नर्मदापुरम, देशबन्धु। शनिवार को जिला प्रशिक्षण केंद्र नर्मदापुरम में सीएमएचओ डॉ नरपत सिंह गहलोत द्वारा स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय मीटिंग ली गई। समीक्षा बैठक के दौरान गर्भवती महिलाओं के चिह्नांकन, पंजीयन के आंकड़ों में अंतर व टीकाकरण में समानता रखें, स्वस्थ यकृत परीक्षण अभियान में शत प्रतिशत उपलब्धि, एनसीडी पोर्टल में एंट्री करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कर्मचारी मुख्यालय पर रहें, जरूरी दवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। 22 जुलाई से 15 अगस्त तक चलने वाले दस्तक अभियान की विस्तृत से जानकारी दी, मातृ मृत्यु एवं शिशु मृत्यु की सेक्टर एवं मासिक बैठक में समीक्षा करें और रिपोर्ट को पोर्टल में एंट्री करते हुए चिकित्सा अधिकारी स्थानीय टीम के साथ गृह भेंट करें। टीबी मुक्त भारत, एनीमिया मुक्त सहित सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लक्ष्य समय पर पूरे किए जाएं।

अब वर्षा जल के अभाव में भी फसलों की सिंचाई होगी आसान

रामनिवास सांखला को मिली खेत तालाब की सौगात

हरदा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से सरकार और समाज के द्वारा पुरानी जल संरचनाओं में जल भरण, जल के प्रबंधन तथा नई जल संरचनाओं का निर्माण का कार्य जा रहा है। जल के बिना जीवन की परिकल्पना शून्य है और इसके बिना न तो कृषि संभव है, न ही उद्योग और न ही हमारी दैनिक आवश्यकताएँ पूरी हो सकती हैं। जल का संरक्षण करना सभी का कर्तव्य है। हरदा जिले की जनपद पंचायत हरदा अंतर्गत ग्राम कचबैडी निवासी किसान रामनिवास सांखला को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन खेत तालाब का उपहार मिला। खेत तालाब बनने से अब रामनिवास सांखला को वर्षा के अंतराल के दौरान फसल की सिंचाई के लिए वर्षा का इंतजार नहीं करना पडेगा। खेत तालाब का निर्माण होने से रामनिवास प्रफुल्लित है। रामनिवास कहते हैं कि मेरी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नही थी कि मैं फसलों की सिंचाई या अन्य कार्य के लिए सिंचाई का साधन जुटा सकूं। खेती का कार्य पूरी तरह वर्षा जल पर निर्भर था, जिस वर्ष अच्छी नहीं होती थी तो उस वर्ष सिंचाई का साधन न होने के कारण फसलें सूख जाती थी। खेत तालाब का निर्माण हो जाने से अब मुझे इस चिंता से मुक्ति मिल गई है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया।

सुब्रतो फुटबॉल प्रतियोगिता में संस्कार विद्यापीठ ने संभाग के लिए क्वालीफाई किया

हरदा, देशबन्धु। 27 एवं 28 जून को दो दिवसीय सुब्रतो फुटबॉल कप प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय स्टेडियम में किया गया। इस प्रतियोगिता में पहला मैच होली फेथ वर्सेस संस्कार विद्यापीठ के मध्य हुआ। जिसमें संस्कार विद्यापीठ ने एक जीरो के मुकाबले पहला मैच जीता दूसरा मैच बालाजी स्कूल वर्सेस संस्कार विद्यापीठ के मध्य हुआ जिसमें संस्कार विद्यापीठ ने दो एक के मुकाबले सेकंड मैच को जीता और जिला से प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया। इस मैच में हेत पटेल, अथर्व पारलकर, अथर्व गौर ने एक गोल करके टीम को जीत की ओर ले गए। बालाजी पब्लिक स्कूल को हराकर संस्कार विद्यापीठ ने सुब्रतो कप पर अपना कब्जा किया। संस्कार स्कूल संचालक नटवर पटेल ,नवनीत पटेल प्रधानाचार्य जयसिंह पवार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी।

नगर में स्वच्छता अभियान में आई तेजी, रथ यात्रा के पीछे होती रही सफाई

नगर को साफ स्वच्छ रखने में सहयोग करें : नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका द्वारा नगर को साफ सफाई बेहतर करने के लिए स्वच्छता अभियान में बदलाव कर तेजी से कार्य किया जा रहा है। नगरीय क्षेत्र में किसी भी स्थान पर घूड़ा न लगे इस बात का ध्यान दिया जा रहा है। अब कचरा वाहन सुबह के साथ ही दोपहर में चलाना प्रारंभ कर दिया है। सभी 33 वार्डों में जहां जहां कचरा एकत्रित होता है उस स्थानों पर दोपहर में भी कचरा वाहन भेजकर कचरा उठाया जा रहा है। नगर में निकल रही रथयात्रा के पीछे पीछे भी सफाई टीम चल रही है। जहां पर कचरा एकत्रित होता है उसे तत्काल एकत्रित कर वाहन में डाल दिया जाता है। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर की सफाई व्यवस्था में परिवर्तन किया गया है। सुबह के समय वार्डों में कचरा वाहन तो जा ही रहा है साथ ही ऐसे स्थान जहां दोपहर में कचरा एकत्रित होता है उन स्थानों को चिह्नित कर नगरपालिका की टीम कचरा वाहन पहुंचा रही है। वहां से कचरा कलेक्ट किया जा रहा है। पूजन सामग्री और फूल आदि के लिए अलग से वाहन चलाया जा रहा है। श्री तिवारी ने बताया कि नाले नालियों में कचरा फैंकते हुए पाया जाता है उस पर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

राजनैतिक और प्रशासनिक दखल से हो रही गोदाम संचालन में समस्या

समस्याओं के निराकरण नहीं होने पर मूंग उपार्जन केंद्र बनने में रहेंगे असमर्थ

नर्मदापुरम , देशबन्धु। गोदाम मालिक संघ के बैनर तले जिले के निजी गोदाम मालिकों ने वेयरहाउस संचालन में आ रही समस्याओं को लेकर शुक्रवार को पत्रकारवार्ता आयोजित की। गोदाम मालिकों ने संचालन कार्य में राजनेताओं और अधिकारियों पर दबाव बनाने के आरोप लगाए। वेयरहाउस संचालकों ने कहा कि अनाज का भंडारण सहकारी समिति सर्वेयर के द्वारा स्वीकृत करने के बाद ही करती है, जिसका डब्ल्यूएचआर हमारे द्वारा काटा जाता है, यदि गुणवत्ताहीन अनाज का डब्ल्यूएचआर हम काटने से मना करते हैं तो किसान का भुगतान नहीं होता इसके बाद हम पर राजनेता और अधिकारी दबाव बनाते हैं। खरीदी में अधिकारियों के जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप से हम खुद को अपंग महसूस कर रहे हैं। इस दौरान समस्याओं के निराकरण नहीं होने की स्थिति में मूंग खरीदी के लिए गोदाम स्तरीय केंद्र नहीं बनाने का अल्टीमेटम भी दिया।

उन्होंने कहा कि वेयर हाउस संचालक अपने गोदाम को शासन व्दारा उपार्जित अनाज के भंडारण व एवं उचित रखरखाव के लिये किराये पर देने का अनुबंध करता है जिसका शासन द्वारा भुगतान किया जाता है, लेकिन विभाग व्दारा अनुबंध में कुछ शर्तें बदल दी गई है और एफएक्यू के लिये गोदाम संचालकों को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। जबकि अनाज का उपार्जन शासन द्वारा अधिकृत सर्वेयर व सहकारी समितियों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि वेयरहाउस की चाबी कार्पोरेशन व समिति के पास होती है, गोदाम संचालकों के पास चाबी नहीं रहती है। वेयरहाउस में रखरखाव व फूमिगेशन कराने के लिए वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के अधिकारी अपने साथ चाबी लेकर आते हैं और काम होने के बाद वापस ले जाते हैं। लेकिन फिर भी भंडारण में कम ज्यादा होने पर हमें जिम्मेदार ठहराया जाता है। वहीं गोदामों से मूंग उठाते समय जो दो प्रतिशत तक की सूखत या कमी आती है, क्योंकि ग्रीष्मकालीन मूंग का उपार्जन जुलाई अगस्त वर्षा के मौसम में होता है, इस दौरान मूंग नमी 12 से 14 प्रतिशत तक अधिकतर होती है और उठाव के दौरान गर्मियों में 8 से 10 प्रतिशत तक आ जाती है। जैसा कि धान और सोयाबीन में सूखत दी जाती है उसको मान्य किया जाये जैसा कि कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान आदि राज्यों में होता है। वहीं भंडारित धान, मूंग एवं चने का किराया पिछले वर्षों का प्राप्त नहीं हुआ है एवं गेहूं का किराया भी समय पर नियमित नहीं मिल रहा है। इस वजह से बैंकों की किस्त, बीमा किस्त, समय पर नहीं दे पा रहे हैं। कर्मचारियों का वेतन, कीटनाशक, फूमिगेशन, रख रखाव आदि खर्च की व्यवस्था कर पाना भी मुश्किल हो रहा है। किराये के लिये बेयर हाउस संचालकों को चक्कर लगाने पड़ रहे है।

किराये के ब्याज सहित भुगतान की मांग की

- वेयरहाउस मालिकों ने कहा कि पिछले वर्षों का किराया अब तक नहीं मिल पा रहा है, संस्थाओं द्वारा ब्याज सहित भुगतान किया जाए। वर्ष 2021-22 तक एमपीएससीएससी के खाते में भंडारित गेहूं का संपूर्ण भुगतान एफसीआई द्वारा किया जा चुका है, लेकिन एफसीआई द्वारा रिजेक्शन के नाम पर गोदाम किराया रोका गया है। वहीं वर्ष 2023- 24 एवं 2024-25 की मूंग ग्रेडिंग वेयरहाउस संचालक से कराई जा रही है, इसे तत्काल रोका जावे। वर्ष 2022-23 गेहूं का लास गेन एक प्रतिशत पर ही भुगतान एग्रीमेंट के अनुसार ही किया जावे। वेयरहाउस संचालक सुधीर पाठक ने बताया कि उक्त ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री, प्रदेश के कृषि मंत्री, जिला कलेक्टर, सांसद एवं राज्यसभा सांसद एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को भी भेजा जा रहा है। इस अवसर पर वेयरहाउस संचालक अजय दुबे, सुधीर पाठक, दुर्गेश पालीवाल, पंकज गौर, एमएल गौर, भवानी वर्मा, साहू, अजय सिंह राजपूत, सुशील कुमार गौर, राकेश गोयल, संजीव साहू, सत्यम पाठक समेत गोदाम मालिक उपस्थित रहे।

उपार्जन नीति का जताया विरोध

- सदस्यों ने कहा कि गोदाम स्तरीय भंडारण स्थल पर परिवहन होकर आने वाले उपार्जित स्कंध के जमा स्थल पर गुणवत्ता परीक्षण राष्ट्रीय उपार्जन एजेंसी के सर्वेयर द्वारा की जाती है, इसके बावजूद भी गुणवत्ता परीक्षण का दायित्व गोदाम संचालकों व भंडारण एजेंसी को देकर फंसाया जा रहा है। गोदाम संचालकों के पास एफएक्यू के लिए कोई उपकरण नहीं है। वहीं शासन की संयुक्त साझेदारी योजना के तहत उपार्जित स्कंध के नान एफएक्यू पाए जाने पर वेयरहाउस संचालक को उपगेड कराने के प्रावधान का भी विरोध जताया गया। वहीं गोदाम स्तरीय केंद्रों पर उपार्जन अवधि के दौरान गोदाम के अंदर उपार्जित स्कंध का पाला किया जाकर तुलाई एवं पैकिंग के कार्य वेयरहाउस के द्वारा किए जाने का विरोध भी किया।

सर्पदंश के उपचार हेतु एन्टी स्नेक वेनम पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध, जागरूकता दिखाएं : डॉ. सिंह

हरदा , देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच. पी. सिंह ने बताया कि वर्तमान में वर्षा ऋतु में सर्पदंश की घटनाएं बढ जाती है। इस दौरान सांप व अन्य जीव जंतु अत्यधिक सक्रिय व हो जाते है और मानव बस्तियों के नजदीक आ जाते है। इस कारण सर्पदंश की घटनायें होती है। डॉ. सिंह ने सभी जिले वासियों से अपील की है, कि बरसात के मौसम में सचेत रहे और यदि सर्पदंश की घटना घटित होती है, तो मरीज को बिना किसी देरी के तत्काल स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे, जिससे समय पर इलाज प्रारंभ किया जा सके। डॉ. सिंह ने बताया कि सभी स्वास्थ्य संस्थाओं पर पर्याप्त मात्रा में सर्पदंश के उपचार के लिये एन्टी स्नेक वेनम उपलब्ध है और सर्पदंश का उपचार सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में चौबीस घण्टे निःशुल्क उपलब्ध है। उन्होंने सावधानियां बरतने की बात पर जोर देते हुए कहा कि सर्पदंश की स्थिति में सपेरे या तांत्रिक झांड फूंक के चक्कर में न पड़े, नजीदीकी अस्पताल तक पहुंचे और निःशुल्क 108 एम्बुलेन्स

जाहिर सूचनाकर्ता

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि मैं सूचनाकर्ता श्रीमति सविता पति जुगल कुमार घरामी, उम्र 55 वर्ष निवासी शांतिपुर क्रं. 02 चोपना तह. घोड़ाडोंगरी जिला बैतूल (म.प्र.) को कालीपद पिता विनोद टिकेदार उम्र 65 वर्ष निवासी ग्राम आमडोह तहसील घोड़ाडोंगरी जिला बैतूल (म.प्र.) द्वारा मौजा आमडोह तहसील घोड़ाडोंगरी जिला बैतूल (म.प्र.) द्वारा मौजा आमडोह प.ह.नं. 76 खसरा नंबर-73 में से रकबा 1 1/2 एकड़ (डेढ़ एकड़) अपने स्वामित्व, हक एवं अधिकार की भूमि दान में दी गई है, जिस पर सूचनाकर्ता द्वारा विगत लगभग-15 वर्षो से काश्तकारी, वृक्षो का पालन-पोषण करते चली आ रही है जो निर्विवाद रूप से होने के कारण मकान उक्त भूमि पर निर्मित करके सूचनाकर्ता परिवार सहित निवासरत है, किसी भी बैंक, व्यक्ति, निकाय नाते-रिश्तेदार को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेजों के सूचनाकर्ता को सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिनों के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि उपरान्त आपत्ति अमान्य होकर शून्य मानी जावें।

जाहिर सूचनाकर्ता

श्रीमति सविता पति जुगल कुमार घरामी,

उम्र 55 वर्ष निवासी शांतिपुर क्रं. 02 चोपना तह. घोड़ाडोंगरी जिला बैतूल (म.प्र.)

साहित्य

कहानी

एक दिन अचानक

■ ममता कालिया

बसन्त को इस बार सिर्फ तीन हफ्ते का मौका मिला लेकिन उसने रस, रंग और गंध का तीन तरफा आंदोलन छेड़ दिया। मेडिकल कॉलेज के विस्तृत और विशाल कैम्पस का कोई कोना नहीं छूटा, उसके स्पर्श से। सामने बना बड़ा सा अस्पताल भी एक बार अपनी समस्त गंध, दुर्गन्ध और विरूपता के साथ पराजित हो गया। ये बड़े-बड़े झबरे डेलिया, साथ में नन्हें-नन्हें नैस्टर्शियम, कैलेन्ड्यूला और सिनेरेरिया दिन भर धूम मचाए रहते और शाम होते ही रातरानी, राजरानी की तरह बौरा जाती। रंगों की बारात में सफेद रंग सिर्फ डॉक्टरों के कोट और दीवारों पर नज़र आता।

तीन हफ्ते खत्म होते न होते खुश्क हवाएँ चल निकलीं। ठंड एक बारगी कम हो गई। अखिल इसी टर्म में हाउस फिजिशयन बना था। वह पूरे जोश में था। उसे यह भी पता था कि अगला एक साल उसका ग्रामीण क्षेत्र में बीतेगा, पर वह जानता था हर सफल डॉक्टर के पीछे इस तरह की मशक्कत का लम्बा इतिहास रहता है। जब कभी माँ उसके घर आने के समय-असमय पर टोकती, वह कहता, 'माँ तुम भगवान से यही मनाओ कि मैं इतना कामयाब होऊँ कि मुझे खाने-पीने से ज्यादा मरीजों की फिक्र रहे।'

माँ बड़े गर्व से अखिल को देखती है। जब बड़ा बेटा अमल इंजीनियर बना था वह कितनी बेचैन रहती थी कि अखिल पढ़ाई में न जाने कैसा निकलेगा। अखिल तब कहता, 'माँ तुम फिक्र क्यों करती हो। मैं भैया से भी ज्यादा नाम कमाऊँगा।'

पहली ही बार में अखिल ने सी.पी.एम.टी. की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। माँ-बाप निश्चिंत हुए। अब चार साल में अखिल डॉक्टर बन जाएगा और छह-सात साल में ऐसी प्रैक्टिस जम जाएगी कि वे दो कमाऊ बेटों के माँ-बाप के रूप में बेफिक्र जीवन जियेंगे।

सब कुछ सोचे हुए नक्शे के मुताबिक चल रहा था। लेकिन उस दिन घर के गमलों में अचानक पतझड़ नज़र आया। यकायक कॉक्सकॉम्ब के पौधे मुरझा कर लटक गए और शाम तक ऐसे सूख गए जैसे उन पर कभी बहार आयी ही नहीं। उसी दोपहर की घटना है।

अखिल चौबीस घंटे की ड्यूटी कर अस्पताल से आ रहा था कि आनंद भवन के सामने सड़क क्रॉस करते एक बच्चे को बचाने की खातिर उसने अपने स्कूटर को ब्रेक लगाया। तभी पीछे से आ रही जीप ने स्कूटर में ठोकर मारी बच्चा तो बच निकला पर अखिल धक्का खाकर आगे को गिरा।

अगल-बगल कुछ पोस्टरों की दुकानें थीं। अब दुकानदारों ने उसे गिरता देखा पर यही समझा कि कुछ देर में स्वयं उठकर कपड़े झाड़ेगा और चला जाएगा। यह तो जब उसे पड़े हुए दो-चार मिनट हो गए, वहाँ मौजूद लोगों ने शोर मचाया, 'स्कूटरवाला मर गया, कोई है, इसे उठाए।'

दुकानदार इतना तो पहचानते थे कि यह नौजवान डॉक्टर रोज़ सुबह-शाम यहाँ से गुज़रता है पर उन्हें उसका नाम-पता-ठिकाने का कोई इल्म नहीं था।

कुछ मिनटों के ऊहापोह के बाद ये उसे सामने के एक नर्सिंग होम में डाल आए। जेब की तलाशी लेने पर जो कागज़ बरामद हुए उनके आधार पर उसके घर खबर भेजी गई।

पहले दो दिन माता-पिता ने डॉक्टरों के आश्वासनों पर बिताए, उसके बाद शहर के इलाज से उनका जी उखड़ गया। बेहोश अखिल की लखनऊ और दिल्ली में जाँच करायी गयी। हर जगह एक ही जवाब मिला, 'नर्व सेल दबने से डीप कोमा का केस है। ठीक होने में दस दिन से दस साल भी लग सकते हैं। मरीज़ को अकेला न छोड़ें, उससे बातचीत करें। चेतना कब वापस लौट आए, कहा नहीं जा सकता।

उस दिन तो पिता और माँ कुछ संतुष्ट हुए। उन्हें लगा वे अपने इस सोए हुए बेटे को जगाने में बहुत जल्द कामयाब हो जाएँगे। वापसी के दिन प्रभावती ने मन्दिर में प्रसाद भी चढ़ाया, 'हे रामजी मेरे हाथ से कोई भी पुण्य कभी हुआ हो तो इसे लगे। यह अपने हाथ-पैर से उठ खड़ा होय, भले ही मैं पड़ जाऊँ।'

अभी पड़ने की कौन कहे, बैठने की भी फुर्सत नहीं थी प्रभावती को। बब्बू की हालत में इतना सुधार होता था कि वह दिन में आँख खुली रखता, रात में नींद आने पर मूँद लेता। भूख लगती तो छोटे बच्चे की तरह आँ-आँ कर मचलता। खिचड़ी या दलिये का चम्मच मुँह से छुआने पर होंठ थोड़े खोल देता। चबाने और निगलने का जतन भी कर लेता, पर बहुत धीमे। अक्सर प्रभावती को एक कटोरी खिचड़ी खिलाने में एक घंटा लग जाता। कभी उसे लगता बब्बू एक बार फिर डेढ़ साल का बच्चा बन गया है जिसका हर काम उसे करना है। लेकिन सुबह जब वह उसके चेहरे पर बेतरतीब उगी शेव देखती, उसका स्वप्न टूट जाता। बेटे को बेडपैन देने, शेव करने और स्वच्छ करने का काम जयकृष्णजी ने संभाल लिया था। उसका बिस्तर बदलना, उसे करवट दिलाना और पीठ-कमर में पाउडर मलना, सब पिता के हिस्से के काम थे। ये सब वे बड़े नियम और एकाग्रता से करते। लेकिन पच्चीस साल के बेटे की देह का वज़न, सत्तावन साल के पिता से कई बार संभल न पाता। ऐसे में माँ-बाप दोनों मिलकर हाँफते हुए उसके नीचे से मैली चादर निकालते और साफ चादर बिछाते।

पहले दो दिन माता-पिता ने डॉक्टरों के आश्वासनों पर बिताए, उसके बाद शहर के इलाज से उनका जी उखड़ गया। बेहोश अखिल की लखनऊ और दिल्ली में जाँच करायी गयी। हर जगह एक ही जवाब मिला, 'नर्व सेल दबने से डीप कोमा का केस है। ठीक होने में दस दिन से दस साल भी लग सकते हैं। मरीज़ को अकेला न छोड़ें, उससे बातचीत करें। चेतना कब वापस लौट आए, कहा नहीं जा सकता। उस दिन तो पिता और माँ कुछ संतुष्ट हुए। उन्हें लगा वे अपने इस सोए हुए बेटे को जगाने में बहुत जल्द कामयाब हो जाएँगे। वापसी के दिन प्रभावती ने मन्दिर में प्रसाद भी चढ़ाया,'हे रामजी मेरे हाथ से कोई भी पुण्य कभी हुआ हो तो इसे लगे। यह अपने हाथ-पैर से उठ खड़ा होय, भले ही मैं पड़ जाऊँ।'

परिवार के लोग शुरू-शुरू में नियमिल आकर बेटे का हाल पूछते लेकिन जब यथास्थिति को एक साल गुज़र गया तो सबका आना कम हो गया। जयकृष्ण और प्रभावती कहीं निकल न पाते।

अखिल के साथी डॉक्टर कभी-कभी वक्त मिलने पर आते। वह दिन घर में चहल-पहल का होता। प्रभावती उमंग से रसोई में लगी रहती। उसे पता था अखिल को अपने दोस्तों से कितना लगाव था। वह ढेरों मठरियाँ और लड्डू बनाती। कई बार डाक्टर संदीप, डॉ. विजय और आरती कहते 'आज तो अखिल के चेहरे पर बड़ी रौनक है, लगता है बस अभी खड़ा हो जाएगा।'

माँ-बाप को लगता इन दोस्तों का मुँह मोतीचूर से भर दें। खास-तौर पर आरती का आना तो उन्हें नवजीवन दे जाता। पढ़ाई के दिनों से ही अखिल और आरती की दोस्ती का उन्हें अन्दाज़ था। लेकिन साल बीतते न बीतते, दोस्तों का आना कम हो गया। अब वे ग्रुप में न आकर अकेले-अकेले आते और थोड़ी देर में ही उठ जाते।

एक दिन आरती की शादी का कार्ड डॉ. संदीप ने उन्हें थमाया तो वे ठगे से रह गए। उस दिन उनसे खाना नहीं खाया गया। अन्ततः जयकृष्ण बोले 'शायद यह ठीक ही हुआ। कोई कब तक राह देख सकता है किसी की। बब्बू तो लम्बी नींद में है।'

'सावित्री को अपनी तपस्या का फल साल भर बाद मिल गया था, 'प्रभावती ने गहरी साँस लेकर कहा, नहीं तो जाने सतवान की कौन गत होती।'

'सबसे लम्बी तपस्या तो हमारी-तुम्हारी है प्रभा', जयकृष्ण ने कहा।

बेटे की लाचारी और अपनी जिन्दगी के कठिन कर्त्तव्य के प्रति जयकृष्ण में अपार कातरता और आत्मदया पैदा हो जाती। वे कह उठते, 'भगवान उठा ले मुझे अब और नहीं झेला जाता।'

प्रभावती कहती, 'सोच-समझ कर बोला करो। तुम्हें या मुझे कुछ हो गया तो बब्बू किसके सहारे जियेगा ? क्या पता यह कल उठ बैठे, साँस से आस है, आस से साँस।' अखिल के कमरे को देखकर कोई कह नहीं सकता था कि यह रोगी-कक्ष है। अन्दर के कमरों में चीजें बेतरतीब पड़ी रहतीं, रसोई में बर्तन लुढ़के रहते लेकिन अखिल का कमरा चमचमाता रहता।

इस साल दिसम्बर के आखिरी हफ्ते में जयकृष्ण रिटायर होने वाले थे। 31 दिसम्बर को एक सादे समारोह में उन्हें दफ्तर के साथियों ने भावभीनी विदाई दी और स्मृति चिह्न के रूप में एक व्हील चेयर। तिवारी ने उपहार देते हुए कहा, 'यह व्हील चेयर आपके लिए नहीं है। ईश्वर करे आप बहुत दिनों तक अपने पैरों पर खड़े रहें। पर शायद यह सामान आपको परिवार का बोझ ढोने लायक बनाए।'

जयकृष्ण का चेहरा आँसू-आँसू हो आया। साथियों से कहा, 'आपकी सहृदयता मेरी संचित निधि रहेगी। यह उपहार आप फुर्सत से कभी भिजवा दें। परिवार का बोझ सहने का मैं अभ्यस्त हो चला हूँ। ईश्वर से प्रार्थना है कि मेरे जैसा कठिन भविष्य किसी को न मिले।'

घर पहुँचते-पहुँचते जयकृष्ण थककर चूर हो गए। प्रभावती ने उनके हाथ से ऑफिस का थैला लिया, अपने आँचल से उनका ललाट पोंछा और कहा, 'आप थोड़ी देर आराम कर लो। बहुत काम कर लिया जीवन भर।'

'बब्बू कैसा है ?'

'सो रहा है। तुम्हारे लिए हलवा बनाया था। उसे थोड़ा सा खिलाया। खुशी से खाया। सच, मेरी धोती खींचकर और भी माँगा।'

जयकृष्ण के मन में उम्मीद जगी कि बब्बू ठीक हो रहा है। अखिल को खिलाने के बाद प्रभावती उठीं तो उनकी धोती का एक सिरा बब्बू के हाथ के नीचे दब गया। इसी से उन्हें लगा वह उनका आँचल खींच रहा है। ऐसीं छोटी-छोटी उम्मीदों से वे दोनों जीवन पाते थे।

अमल ने घर पर फोन किया; पापा अब दफ्तर का चक्कर नहीं रहा। अखिल को किसी अस्पताल में भरती कर आप और मम्मी मेरे पास आकर रहो। दो-चार महीने में फ्रेश हो जाओ, तो वापस चले जाना। इतने वर्षों में आप एक बार भी मेरे घर नहीं आए।'

जयकृष्ण ने कहा, यह तू क्या कह रहा है अमल। अस्पताल में जीते-जागते मरीजों की दुर्गति हो जाती है, अखिल की कौन कहे। मैंने सुना है कोमा के मरीजों का तो यहाँ बहुत बुरा हाल होता है डॉक्टर अपने सारे एक्सपेरिमेंट उन पर करते है।'

'पर आप अपनी भी तो सोचिये, अमल ने कहा 'यह ड्यूटी कितनी साल चलेगी, बताना मुश्किल है। मुझे तो लगता है ये सब बब्बू के शरीर की हरकतों से उसके मरूदंड से होने वाली चेष्टाएँ हैं। इनमें दिमाग के जागने का कोई रास्ता नहीं है।'

जयकृष्ण बिगड़ गए, 'तू इतनी दूर बैठे-बैठे कैसे कह सकता है। अरे, वह खाना देखकर मुँह खोलता है, नींद आने पर आँख बन्द करता है, तकलीफ होने पर कराहता है।'

'ठीक है पापा जैसा आप चाहें। वैसे अस्पताल का आइडिया भी बुरा नहीं है। आपको कुछ आराम मिल जाएगा।' आराम तो उसी दिन मिलेगा जब वह उठ खड़ा होगा।' जयकृष्ण ने फोन रख दिया।

जल्द ही घर का नया रूटीन बन गया। सबेरे उठकर टहलने जाना, बाद में दूध लेते हुए लौटना, अखबार पढ़ना, चाय-पीना फिर अखिल की देखभाल में जुट जाना। अखिल उन दिनों के जीवन में सन्तान से ज्यादा भगवान होता जा रहा था। वह अपने बिस्तर पर निश्चल निद्रा में निमग्न रहता पर माता-पिता घर के हर काम में उसकी राय और इजाज़त लेते रहते। वे अपनी हर गतिविधि से उसे सूचित रखते।

इस बार डॉक्टर ने अखिल की जाँच कर हताशा में सिर हिला दिया, 'इनकी हालत में कोई बदलाव नजर नहीं आता। आँख के, हाथ के रिफलेक्स मूवमेंट्स हैं। यह बताइए, ये आप दोनों में से किसी को पहचानते है?'

'हम कैसे बताएँ डॉक्टर साब जब हम कमरे में आते हैं, यह बिटर-बिटर देखता रहता है।

'कभी माँ या पा जैसा कोई शब्द ?'

प्रभावती को रोना आ गया। आँसू के बाद निकला आक्रोश 'इत्ते दिनों से आप इंजेक्शन लगा रहे हो, दवा खिलाते हो, आप बताएँ यह कब बोलेगा। हमसे न पूछो, बब्बू का रोयाँ-रोयाँ हमसे बतियाता है।' अचानक एक दिन बब्बू की आँखों का भाव बदल गया, उसने खाने के लिए मुँह खोलना बन्द कर दिया। प्रभावती बौखला गई, 'सुनोजी आज बब्बू का जी अच्छा नहीं।'

उस दिन पति-पत्नी से भी कुछ खाया नहीं गया। दूसरे दिन बेटे की हलक में पानी भी अटकने लगा। डॉक्टर ने आकर ग्लूकोज़ सेलाइन लगा तीसरे दिन भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। अचानक अखिल की बाँह में ग्लुकोज़ जाना बन्द हो गया। वह मुंदी आँखों से ही, तीसरे दिन इस दुनिया से निःशब्द विदा हो गया।

माता-पिता का क्रन्दन आस-पास की दीवारें हिला गया। लोग इकट्ठा हुए। सभी ने कहा, 'बड़ा कष्ट भोगा बेटे ने, समझो उसकी मुक्ति हुई।'

माता-पिता ऐसी सांत्वना से तड़प उठे। यथार्थवादियों ने कहा, 'दो साल से तो हम देख रहे हैं ये बब्बू न मरे में न जिये में। आप दोनों को भी बड़ा बन्धन रहा। सबको आजाद कर गया वह।'

जयकृष्ण और प्रभावती ने आग्नेय दृष्टि से लोगों को देखा। यह मौका नहीं था जवाब-तलब का।

शाम तक अमल भी आ गया। शास्त्रानुसार सूर्यास्त के पश्चात दाह संस्कार नहीं होता पर अमल समेत सभी सम्बन्धियों ने कहा 'विशेष परिस्थितियों में हर नियम का अपवाद भी होता है। बब्बू पहले ही बहुत झेल चुका है। अब उसे सद्गति मिल जाए।'

समस्त तैयारी के साथ घाट तक जाते-जाते अँधेरा गहरा गया। अँधेरे का लाभ उठाकर कई लोग बीच में ही वापस चले गए। जयकृष्ण सब कुछ खत्म होने के बाद भी वहीं बालू में सिर झुकाए बैठे रहे। अमल ने पास आकर कहा, 'पापा मुझे चक्कर आ रहा है, मैं घर जाऊँ या आप चलोगे ?'

जयकृष्ण जैसे नींद से जागे। घर पहुँचने पर वह बेटे के लम्बे-चौड़े कद के पीछे ऐसे दुबक गए जैसे कोई जघन्य अपराध करके लौटे हैं।

प्रभावती विलाप कर उठी, 'हाय घर कैसा खाली-खाली लग रहा है। अब हम कैसे जियेंगे।'

अमल के मुँह से निकला, 'वह था तब भी तो चैन नहीं था आपको।'

'यह तूने कैसे कही'? प्रभावती ने कहा।

'एक बार फोन पर आप नहीं रो रहीं थीं कि भान्जी के विवाह में आप नहीं जा पाईं और पापा आप भी तो कहते थे बेटा मुझसे उसका बोझ नहीं सँभलता।'

जयकृष्ण ने कहा, 'कभी कह दिया होगा पर अपनी जान में तो हमने उसे ठाकुरजी की तरह सेवा की।

अमल बोला, 'क्या फायदा हुआ ? आप एक जिन्दा लाश को ढोते रहे ढाई साल। न वह आपको देख सकता था न आप उसकी पीड़ा जान सकते थे। ही वाज़ जस्ट ए कैबेज।'

जयकृष्ण ने कानों पर हाथ रख लिए, 'राम राम अपने प्यारे भाई के लिए कैसी अधम भाषा बोल रहा है तू। तूने कैसे उसे कैबेज कह दिया। पता है एम.बी.बी.एस; में उसकी छठी पोजिशन थी। एम.डी. के लिए वजीफा यों ही नहीं मिला था।

अमल ने अटक कर कहा, 'मेरा मतलब यह नहीं था। मैं तो कह रहा था कि चोट खाने के बाद ढाई साल से वह आपके ऊपर बोझ ही था।'

'कोई बोझ नहीं था' प्रभावती ने प्रतिवाद किया।

'वैसे अच्छा होता, उसके जीवन काल में ही आप किसी जरूरतमंद को उसकी किडनी, दिल और आँखें दान में देते। इस तरह आपको चार-पाँच बेटे मिल जाते।'

प्रभावती तड़प गई 'तूने खूब निभाया हिसाब। एक-दो बार डॉक्टर लोग भी हमारे पास यही सब समझाने आए थे। मैंने उन्हें धक्के देकर निकाल दिया। चंडाल भी अपने पेट का जाया नहीं बेचते।'

'हमेशा उल्टा बोलती हो। इसे बेचना नहीं दान देना कहते हैं।'

'यानी जीते में ही उसे मरा मान लेते। अरे उसके साँस लेने से यह घर भरा-भरा लगता था। कैसी रौनक थी उसकी। लेटा हुआ लगता था अब बोला, तब बोला। सच्ची कहूँ तो तेरे से ज्यादा उसका आसरा था हमें। तू इतनी दूर बैठा है। हमारी तो वह सन्तान भी था भगवान भी। कैसा बिटर-बिटर ताकता रहता था। जरा सा मुँह पोंछ दो तो फूल की तरह खिल जाता।'

'इन बातों का अब कोई लाभ नहीं है। माँ मुझे जल्दी वापस भी जाना है।'

'सो तो हम जानते हैं। तेरा लछमन जैसा भैया चला गया, तेरी आँख तक गीली नहीं हुई। यही बताने हमें आया था तो जा, हम समझेंगे हम निपूते ही रहे। प्रभावती ने आँचल में मुँह छुपा लिया।

संदर्भ : 27 जून, हास्य और व्यंग्य लेखक कन्हैया लाल कपूर का जन्मदिवस

कन्हैया लाल कपूर : उर्दू व्यंग्य लेखन के कुतुबमीनार

■ ज़ाहिद ख़ान

उर्दू अदब में कन्हैया लाल कपूर की शिनाख़्त हास्य और व्यंग्य के बेजोड़ लेखक के तौर पर है। जिन्होंने उर्दू हास्य और व्यंग्य लेखन को नई दिशा प्रदान की। अपने व्यंग्य लेखन से उर्दू अदब को आबाद किया। उर्दू ही उनका ओढ़ना-बिछौना थी। इस ज़बान से उन्हें दीवानों की तरह मुहब्बत थी। अंग्रेज़ी ज़बान के प्रोफ़ेसर होने के बाद भी उन्होंने अपना सारा लेखन उर्दू में ही किया। और उर्दू अदब में अपनी एक अलग पहचान बनाई। 27 जून, 1910 को अविभाजित भारत के लायलपुर जिले के एक छोटे-से गाँव में हुई। कन्हैया लाल कपूर की आला तालीम लाहौर में हुई। गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर से उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर में एम.ए का इम्तिहान पास किया। गवर्नमेंट कॉलेज में उर्दू अदब के एक और बड़े तंज-ओ-मिज़ाह निगार सैयद अहमद शाह उर्फ़ पतरस बुख़ारी कपूर के उस्ताद थे। न सिर्फ़ वे तालीम में कन्हैया लाल कपूर के उस्ताद थे, बल्कि अदब के मैदान में भी उन्होंने हमेशा उनकी रहनुमाई की। पतरस बुख़ारी ने कपूर की हौसला—अफ़ज़ाई करते हुए, उन्हें हास्य और व्यंग्य लेखन करने की सलाह दी। अपने एक लेख 'पीर-ओ-मुर्शिद' में कन्हैया लाल कपूर ने ख़ुद यह बात तस्लीम की है कि ''मैंने अपने उस्ताद प्रोफ़ेसर पतरस बुख़ारी से हर रिवायती चीज़ और हर बेढंगे शख़्स का मज़ाक़ उड़ाना सीखा।'' अपनी तालीम मुकम्मल करने के बाद कन्हैया लाल कपूर लाहौर के डीएवी कॉलेज में ही पढ़ाने लगे। मिर्ज़ा अदीब, पतरस बुख़ारी, कृश्न चंदर, उपेन्द्रनाथ अश्क, गोपाल मित्तल, फ़िक्र तौंसवी और राजा मेहदी अली ख़ाँ उनके ख़ास दोस्त थे। इनके साथ आए दिन उनकी महफ़िलें जमती थीं। जहाँ सियासत से लेकर अदब पर बहसें होतीं। इंग्लिश लिटरेचर पढ़ने-पढ़ाने के दौरान कन्हैया लाल कपूर अंग्रेज़ी के हास्य और व्यंग्य साहित्य से अच्छी तरह वाक़िफ़ हो गए। उनका रुजहान भी हास्य और व्यंग्य लेखन की ओर हो गया।

कन्हैया लाल कपूर का पहला व्यंग्य लेख 'ख़फ़क़ान' मशहूर अफ़साना निगार कृश्न चंदर के अफ़साने 'यरक़ान' की पैरोडी था। कृश्न चंदर ने जब इसे पढ़ा, तो उन्होंने भी इस लेख की तारीफ़ की। वे कपूर की चुटीली लाइनों और उनकी लेखन शैली से बेहद मुतास्सिर हुए। और उन्होंने भी कपूर को हास्य-व्यंग्य लेखन जारी रखने की सलाह दी। ज़ाहिर है पतरस बुख़ारी और कृश्न चंदर जैसे आला अदीबों की हौसला—अफ़ज़ाई से कन्हैया लाल कपूर ने अपने लेखन को और सँवारा। उनका अगला व्यंग्य लेख 'अख़बार बीनी' और उसके बाद 'चीनी शायरी' था, जो उस दौर में लाहौर से निकलने वाली मशहूर मैग़जीन 'अदब-ए-लतीफ़' के साल-नामे (साल-1938) में छपा। साहित्यिक आलोचकों पर यह एक मज़ेदार व्यंग्य था। जिसकी चारों ओर ख़ूब तारीफ़ हुई। इस व्यंग्य लेख में कन्हैया लाल कपूर ने साहित्यिक आलोचकों को अपना निशाना बनाया था। ख़ास तौर पर उन आलोचकों को जो साहित्य और उसके सिद्धांतों के बारे में बहुत कम जानते हैं, लेकिन सब कुछ जानने-समझने का दिखावा और दावा करते हैं। 'ग़ालिब तरक़्क़ी-पसंद शुअरा की मजलिस में' यह वह व्यंग्य था, जिसने कन्हैया लाल कपूर को पूरे मुल्क में शोहरत दिलाई। यह व्यंग्य साल 1942 में 'अदबी दुनिया' के एक शुमारे में छपा। तब से लेकर अब तक यह कई मर्तबा अलग-अलग अख़बार, मैगज़ीन और हास्य-व्यंग्य संकलनों में प्रकाशित हो चुका है। जब भी यह छपता है, पाठक इसे पसंद करते हैं।

बंटवारे के बाद, कन्हैया लाल कपूर पंजाब के भारतीय हिस्से में चले आए और मोगा में बस गए। यहाँ उन्हें डीएम कॉलेज में प्रोफ़ेसर की नौकरी मिल गई और यहीं से वे प्रिंसिपल के ओहदे से रिटायर हुए। कन्हैया लाल कपूर अपनी ज़िंदगी के आख़िरी समय जालंधर और महाराष्ट्र के पुणे में रहे। कन्हैया लाल कपूर को पैरोडी लिखने में महारत हासिल थी। उनकी मशहूर पैरोडी में 'सलीम और अनारकली', 'जाना हातिमताई का', 'मीर की शायरी का नफ़्सियाती तज्जिया', 'तरक़्क़ी-पसंद ग़ालिब', 'ग़ालिब के दो सवाल', 'ग़ालिब के उड़ेंगे पुर्ज़े' शामिल हैं। इन पैरोडी में उन्होंने उर्दू के अदीबों, साहित्यिक विषयों और प्रवृत्तियों पर व्यंग्य किया है। 'उर्दू अदब का आख़िरी दौर' मुहम्मद हुसैन आज़ाद की मशहूर रचना 'आब-ए-हयात' की पैरोडी है। अपने ज़माने में कन्हैया लाल कपूर किसी को भी ख़ातिर में नहीं लाते थे। कृश्न चंदर ने कन्हैया लाल कपूर की इसी आदत के बारे में एक जगह लिखा है, ''कन्हैया लाल कपूर हर उस चीज़ का मज़ाक़ उड़ाता है, जो ज़मीन के ऊपर और आसमान के नीचे है।'' लेखन के अलावा कन्हैया लाल कपूर का क़द हमेशा चर्चा का मौज़ूअ रहा और इस पर कई लतीफ़े गढ़े गए। वे साढ़े छह फ़ुट लंबे थे। उनसे मुताल्लिक़ एक क़िस्सा बहुत मशहूर है। गवर्नमेंट कॉलेज, लाहौर में जब वे एमए (अंग्रेजी) पाठ्यक्रम में दाख़िले के लिए इंटरव्यू देने पहुँचे, तो इंटरव्यू पैनल के मेम्बर पतरस बुख़ारी ने कपूर से मज़ाक़ में पूछा, ''आप हमेशा इतने लम्बे नज़र आते हैं या आज ख़ास बंदोबस्त करके आए हैं ?'' कन्हैया लाल कपूर की शुरुआत में जो भी किताबें आयीं, उनमें एक स्व-परिचयात्मक नोट होता था, जिसमें वे अपना ही मज़ाक़ उड़ाते थे। ''नाम-कन्हैया लाल कपूर। मगर बहुत कम साथी मुझे नाम की वजह से जानते हैं ! क़द = छः फ़ीट....। अहल-ए-ज़बान सा दिल-ओ-दिमाग़ तो नहीं, अलबत्ता जिस्म ज़रूर रखता हूँ।'

बंटवारे ने कन्हैया लाल कपूर और उनके लेखन को बेहद मुतास्सिर किया। उनके लेखन में व्यंग्य की धार और भी ज़्यादा बढ़ गई। अपने व्यंग्य से ख़ास तौर पर उन्होंने सियासत को निशाना बनाया। समाज में जो आर्थिक, सामाजिक विसंगतियाँ हैं उन पर वार किया। कन्हैया लाल कपूर का यह अंदाज़ पाठकों को ख़ूब पसंद आया। वे उनके व्यंग्य और किताबों का इंतज़ार करते थे। 'बंदा परवर ! कब तलक', 'चौपट राजा', 'नया शिकंजा', 'कामरेड शेख़ चिल्ली', 'इन्कम टैक्स वाले', 'गरीबी का अंत', 'पाँच प्रकार के बेहूदा पति', 'देसी फिरंगी का दरबार', 'विद्वानों से मुलाकात', 'चंद मक़बूल आम फ़िल्मी सीन' और 'हमने अपना भारतीयकरण किया' उनके मक़बूल व्यंग्य हैं। कन्हैया लाल कपूर ने अख़बारों और मैगज़ीनों में कॉलम भी लिखे और इन कॉलम में आम अवाम की समस्याओं को पुर-ज़ोर तरीक़े से उठाया। 'हिन्द समाचार' में प्रकाशित उनका कॉलम 'मैं देखता चला गया' ख़ूब चर्चा में रहा। इस कॉलम में वे आम इंसानी मसलों को हल्के-फुल्के अंदाज़ में उठाकर, लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते थे। कन्हैया लाल कपूर के व्यंग्य बड़े दिलचस्प और मज़ेदार होते थे। पहले ही जुमले से वे पाठकों को अपने लेखन से बांध लेते थे। यक़ीन न हो, तो उनके व्यंग्य 'आज़ादी की कसम' की इब्तिदा पर एक नज़र डालिये, ''मैं तिरंगे की कसम खाता हूँ कि बापू के बलिदान को कभी नहीं भूलूँगा, लेकिन बापू के बताए हुए उसूलों पर कभी अमल नहीं करूँगा।''

धार्मिक अंधविश्वास एवं कर्मकांड, सामाजिक रूढ़ियों और मज़हबी कट्टरता पर भी कन्हैया लाल कपूर ने तीखे वार किए। अपने एक व्यंग्य 'तआरुफ़' में वे लिखते हैं, ''मज़हब बेवक़ूफ़ों के लिए है। क्योंकि किसी भी मज़हब में कोई ऐसी बात नहीं बतायी जाती, जिसे एक बुद्धिमान आदमी पहले से नहीं जानता हो। इसलिए बुद्धिमानी मज़हब की मोहताज कभी नहीं रही है। हाँ, बेवक़ूफ़ों को मज़हब के माध्यम से बड़ी कामयाबी से फाँसा जा सकता है।'' कन्हैया लाल कपूर उर्दू ज़बान के दिल-दादा थे। उर्दू की जब भी बात आती, वे जज़्बाती हो जाते। अपने व्यंग्य 'बृज बानो' में उन्होंने उर्दू ज़बान की पुर—ज़ोर हिमायत की है। यह व्यंग्य इतना शानदार है कि आख़िर तक आते-आते पाठकों को मुतास्सिर कर लेता है। कन्हैया लाल कपूर अपनी दलीलों से सभी को क़ायल कर लेते हैं। साल 1942 में कन्हैया लाल कपूर की पहली किताब 'संग-ओ-ख़िश्त' प्रकाशित हुई, जो बेहद पसंद की गई। 'चंग-ओ-रुबाब' (साल-1944), 'शीशा-ओ-तीशा' (साल-1944), 'नोक-ओ-नश्तर' (साल-1949), 'बाल-ओ-पर' (साल-1953), 'गर्द-ए-कारवाँ' (साल-1960), 'दलील-ए-सहर' (साल-1966) और 'कॉमरेड शेख़ चिल्ली' कन्हैया लाल कपूर की अहम किताबें हैं। इसके अलावा उनकी सभी रचनाएँ 'कुल्लियात-ए-कपूर' में एक जगह संकलित हैं। मशहूर नक़्क़ाद और इतिहासकार नूरुल हसन नक़वी ने कन्हैया लाल कपूर के बारे में लिखा है, ''उनमें एक मजबूत कलात्मक चेतना थी और वे अच्छी तरह जानते थे कि उच्च स्तरीय साहित्य का सृजन कैसे होता है।'' ज़ाहिर है कि यही वह कलात्मक चेतना थी, जिससे कन्हैया लाल कपूर ने उर्दू अदब में हास्य और व्यंग्य की कई शाहकार रचनाएँ दीं। अपनी व्यंग्य रचनाओं से उन्होंने न सिर्फ़ पाठकों का मनोरंजन किया, बल्कि उन्हें अप्रत्यक्ष तौर पर शिक्षित भी किया। राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक किया। उन्हें चेतना संपन्न बनाया। उर्दू अदब में कन्हैया लाल कपूर के योगदान का विश्लेषण करते हुए मशहूर हास्य और व्यंग्य लेखक मुज्तबा हुसैन ने लिखा है, ''कपूर साहिब ने उर्दू तंज़-ओ-मिज़ाह को क्या दिया है, इसका हिसाब-किताब तो आलोचक करते रहेंगे। यहाँ में सिर्फ़ इतना कहूँगा कि जब हिन्दुस्तान की बहुत-सी ज़बानों में आधुनिक राजनीतिक व्यंग्य की नींव भी नहीं पड़ी थी, तब कपूर साहिब ने उर्दू में आधुनिक राजनीतिक व्यंग्य के बेमिसाल नमूने पेश किये थे। कन्हैया लाल कपूर सचमुच उर्दू व्यंग्य लेखन के कुतुबमीनार हैं।''

ग़ज़ल

■ वसीम बरेलवी

कौन-सी बात कहाँ, कैसे कही जाती है
ये सलीक़ा हो, तो हर बात सुनी जाती है

जैसा चाहा था तुझे, देख न पाये दुनिया
दिल में बस एक ये हसरत ही रही जाती है

एक बिगड़ी हुई औलाद भला क्या जाने
कैसे माँ-बाप के होंठों से हँसी जाती है

कर्ज़ का बोझ उठाये हुए चलने का अज़ाब
जैसे सर पर कोई दीवार गिरी जाती है

अपनी पहचान मिटा देना हो जैसे सब कुछ
जो नदी है वो समंदर से मिली जाती है

पूछना है तो ग़ज़ल वालों से पूछो जाकर
कैसे हर बात सलीक़े से कही जाती है

उसूलों पे जहाँ आँच आये टकराना ज़रूरी है
जो ज़िन्दा हों तो फिर ज़िन्दा नज़र आना ज़रूरी है

नई उम्रों की ख़ुदमुख़्तारियों को कौन समझाये
कहाँ से बच के चलना है कहाँ जाना ज़रूरी है

थके हारे परिन्दे जब बसेरे के लिये लौटें
सलीक़ामन्द शाख़ों का लचक जाना ज़रूरी है

बहुत बेबाक आँखों में तअल्लुक़ टिक नहीं पाता
मुहब्बत में कशिश रखने को शर्माना ज़रूरी है

सलीक़ा ही नहीं शायद उसे महसूस करने का
जो कहता है ख़ुदा है तो नज़र आना ज़रूरी है

मेरे होंठों पे अपनी प्यास रख दो और फिर सोचो
कि इस के बाद भी दुनिया में कुछ पाना ज़रूरी है

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. बैतूल म.प्र.

थर्ड शैड्यूल फार्म (अ) एम.ओ.सी.के उपरांत स्थिति विवरण पत्रक 31 मार्च 2025

31.3.2024 पर (राशि रूपये)			पूंजी एवं देनदारियां	31.03.2024 पर (राशि रूपये)	राशि जो जोडी गई	राशि जो कम की गई	एम.ओ.सी. के पश्चात 31.03.2025 पर राशि
1			2	3	4	5	6 (3+4-5)
47,28,82,273.00	1		**पूंजी**	**47,93,15,273.00**	0.00	0.00	**47,93,15,273.00**
		i	अधिकृत पूंजी 50,00,00,000,.00				
		अ	अंशों में प्रति अंश रू.1000.00				
		ब	अंशों में प्रति अंश रू.1000.00				
		स	अंशों में प्रति अंश रू.100.00				
		द	अंशों में प्रति अंश रू.100.00				
			उक्त में से निर्धारित				
162783.00		1	अंश क्रय नामिनल मेंम्बर	162783.00			162783.00
386434970.00		2	सहकारी समीतियां (8480 अंशों प्रति अंश रू.100/-) (392020 अंशो प्रति अंश रू.1000/-)	392867970.00			392867970.00
86284520.00		3	राज्य शासन (86285 अंशो प्रति अंश रू.1000/-)	86284520.00			86284520.00
0.00		4	आई.सी.डी.पी.				0.00
1,39,52,47,596.31	2		**रक्षित कोष तथा निधियां**	**1,60,51,51,906.15**	**18,34,905.46**	**9,40,00,000.00**	**1,51,29,86,811.61**
143098561.26		1	रक्षित कोष	148175951.35	695039.95		148870991.30
85717796.65		2	कृषि साख स्थाईकरणनिधि	88764230.71	417023.96		89181254.67
27123292.05		3	भवन निधि	27123292.05			27123292.05
0.00		4	विशेष डुबंत ऋण कोष	0.00			0.00
587750000.00		5	डुबंत तथा संदिग्ध ऋण	784250000.00		94000000.00	690250000.00
16116000.00		6	मानक आस्तियों पर प्रावधान	16116000.00			16116000.00
15000.00		7	विनियोग अवक्षयण निधि	15000.00			15000.00
6561.00		8	कर्मचारी लाभ निधि	6561.00			6561.00
250153.36		9	माल (स्टाक) एवं फर्नीचर फंड	250153.36			250153.36
1168.00		10	दानशील (चेरिटेबल) फंड	1168.00			1168.00
6139450.94		11	जीप फंड	6139450.94			6139450.94
49351.00		12	रिस्क फंड	49351.00			49351.00
19257187.74		13	अंश पूंजी मोचन निधि	23319099.81	556031.96		23875131.77
16801024.34		14	सहकारी विकास निधि	17410311.15	83404.80		17493715.95
12456890.00		15	पुनः पूंजीकरण सहायता राज्य शासन	12456890.00			12456890.00
15375643.00		16	कोर बैंकिंग शाल्यूशन फंड	15375643.00			15375643.00
458902499.63		17	अन्य संपत्तियों हेतु प्रावधान फंड	458902499.63			458902499.63
4438046.16		18	प्रशिक्षण निधि	4844237.37	55603.19		4899840.56
1748971.18		19	कोऑपरेटिव रिसर्च ए.ड डेवलपमेंट फंड	1952066.78	27801.60		1979868.38
.2			देयता वर्ष 2024-2025				.2
0.00	3		मुख्य/सहायक राज्य भागीदारी खाता अंश पूंजी हेतु	0.00	0.00	0.00	0.00
0.00		1	सहकारी केन्द्रीय बैंक	0.00			0.00
0.00		2	प्राथमिक कृषि साख समीतिया	0.00			0.00
0.00		3	अन्य समीतिया	0.00			0.00
5,88,33,57,740.15	4		अमानत तथा अन्य खाते	5,92,03,24,070.17	0.00	0.00	5,92,03,24,070.17
		1	मुददती अमानत				
2181869753.03		अ	व्यक्तिगत	2360739751.68			2360739751.68
0.00		ब	केन्द्रीय सह. बैंक				0.00
260464560.40		स	अन्य समीतियां	326843632.87			326843632.87
2,44,23,34,313.43			योग	2,68,75,83,384.55	0.00	0.00	2,68,75,83,384.55
		2	बचत अमानत				
2891909688.82		अ	व्यक्तिगत	2670267523.72			2670267523.72
0.00		ब	केन्द्रीय सह. बैंक				0.00
465394788.92		स	अन्य समीतियां	502644222.53			502644222.53
3,35,73,04,477.74			योग	3,17,29,11,746.25	0.00	0.00	3,17,29,11,746.25
		3	चालू अमानतें				
41715815.22		अ	व्यक्तिगत	35922559.99			35922559.99
0.00		ब	केन्द्रीय सह. बैंक				0.00
36510159.87		स	अन्य समीतियां	17414248.36			17414248.36
5492973.89		द	नगद साख खातों में जमा शेष	6492131.02			6492131.02
8,37,18,948.98			योग	5,98,28,939.37	0.00	0.00	5,98,28,939.37
0.00		4	मांग और अल्पसूचना पर प्रतिदेय राशि	0.00	0.00	0.00	0.00
2,92,59,93,800.00	5		प्राप्त ऋण	3,08,01,00,000.00	0.00	0.00	3,08,01,00,000.00
		(1)	राज्य सहकारी बैंक/नाबार्ड से				
		अ	अल्पकालीन ऋणनगद साख तथा अधिविकर्ष जो सुरक्षित है।				
2922500000.00			(अ) अ.का. कृषि ऋण	3080100000.00			3080100000.00
0.00			(ब) अ.का.बहुउदेशीय साख सीमा				0.00
0.00		1	शासकीय तथा अन्यमान्य प्रति. पर				0.00
0.00		2	अन्य वास्तविक प्रति. पर रू.				0.00
		ब	मध्यकालीन ऋण जो सुरक्षित है				
0.00			(अ) म.का.परिवर्तित ऋण				0.00
3493800.00			(ब) स्वचलित पुनर्वित्त सुविधा	0.00			0.00
0.00		1	शासकीय तथा अन्य मान्य प्रति.				0.00
0.00		2	अन्य वास्तविक प्रति. पर रू.				0.00
		स	दीर्घकालीन ऋणजो सुरक्षित है।				
0.00		1	शासकीय तथा अन्य मान्य प्रति पर				0.00
0.00		2	अन्य वास्तविक प्रति. पर रू.				0.00
0.00	6		संग्रहण हेतु विपत्र /प्राप्ती योग्य विपत्र जो दोनो ओर समान है।	0.00	0.00	0.00	0.00
.3			देयता वर्ष 2024-2025				.3
0.00	7		शाखा समायोजन	39412729.03			39412729.03
130166000.41	8		कालातीत ब्याज प्रावधान	130166000.41	133571000.00		263737000.41
242629220.12	9		देय ब्याज अमानतो पर	252043185.73			252043185.73
14,43,22,295.75	10		अन्य देनदारियां	11,24,72,206.35	31,68,163.41	8,84,586.00	11,47,55,783.76
16180368.85		1	सस्पेन्स अमानत	12606106.38			12606106.38
647473.86		2	अंकेक्षण शुल्क देय	621593.86			621593.86
97395.00		3	बोनस देय राशि	170845.00			170845.00
4312487.20		4	कर्मचारी परिवार कल्याण	5060354.20			5060354.20
671111.00		5	डी.सी.आर.खाता	1000.00			1000.00
318327.00		6	बचत से जुडी बीमायोजना क्लेम कर्मचारी	229993.00			229993.00
694128.00		7	कर्मचारी ग्रेच्युटी क्लेम देय	1361295.00			1361295.00
3203059.61		8	अमानत ग्यारंटी फंड	3502032.08			3502032.08
6043959.00		9	कर्मचारी ग्रेच्युटी फंड	6043959.00			6043959.00
24932.00		10	स्वतः बीमा देय	17147.00			17147.00
2939483.68		11	आई.सी.डी.पी. से प्राप्त वसूली	325223.68			325223.68
5069444.00		12	स्त्रोत पर आयकर देय (टीडीएस)	5807612.00			5807612.00
9800.00		13	एसीएच क्रेडिट रिटर्न	5000.00			5000.00
500000.00		14	संवर्ग निधि की सरप्लस राशि	500000.00			500000.00
19437.00		15	प्रोफेशनल टेक्स देय	19379.00			19379.00
6322.00		16	व्यवस्थापन देय मद	0.00			0.00
56048289.33		17	आईएनसीए पेक्स/सोसायटी	13246687.16			13246687.16
1501216.00		18	जीएसटी देय	2420267.00	692712.41		3112979.41
2340.00		19	कर्मचारी बचत बीमा प्रीमियम	2160.00			2160.00
9487645.44		20	संड्री क्रेडिटर्स	9487645.44			9487645.44
0.00		21	एलआईसी क्रेडिट	1030.00			1030.00
996847.39		22	एटीएम क्लीयरिंग सस्पेंस एकाउंट	1532295.32			1532295.32
14391046.59		23	सिस्टम सस्पेंस एकाउंट	11850108.60			11850108.60
4298140.06		24	ओडी नेफट	18486087.89			18486087.89
913967.00		25	रजिस्ट्रेशन आफकोआप.सो.	1462939.00			1462939.00
614935.00		26	एएससी एमसीपोस डोमेस्टिक	41768.00			41768.00
8958367.50		27	कमीशन देय	9256854.74	2475451.00		11732305.74
1300025.00		28	ग्रेच्युटी देय एल.आई.सी. को	3000000.00		884586.00	2115414.00
378565.24		29	पेक्स पूल	0.00			0.00
0.00		30	एनआईए क्रेडिट	1180.00			1180.00
0.00		31	एलआईसी कमीशन	110.00			110.00
0.00		32	एनपीसीआई क्रेडिट रिटर्न	15000.00			15000.00
0.00		33	एसीएच डेबिट	100941.00			100941.00
4693183.00		34	अवकाश नगदीकरण देय	5295592.00			5295592.00
.4			देयता वर्ष 2024-2025				.4
11,46,76,911.48	11		लाभ	12,15,82,162.01	9,45,254.33	0.00	12,25,27,416.34
109643433.81		1	गत स्थिति विवरण का लाभ	114676911.48			114676911.48
1297258.00		2	कम करो - गत वर्ष का आयकर				0.00
18619810.80		3	जोडो - इस वर्ष का लाभ	20309560.37	2780159.79		23089720.16
0.00		4	कम करो - गत वर्षो की आयकर मांग				0.00
		5	कम करो - लाभ का वितरण (चालू वर्ष)				
4654952.70			(1) रक्षित कोष	5077390.09	695039.95		5772430.04
2792971.62			(2) कृषि साख स्थाईकरण निधि	3046434.06	417023.96		3463458.02
558594.32			(3) सहकारी विकास निधि	609286.81	83404.80		692691.61
372396.22			(4) प्रशिक्षण निधि	406191.21	55603.19		461794.40
186198.11			(5) कोऑपरेटिव रिसर्च ए.ड डेवलपमेंट फड	203095.60	27801.60		230897.20
3723962.16			(6) अंशपूंजी मोचन निधि	4061912.07	556031.96		4617944.03
0.00		6	चालू वर्ष की हानि				0.00
11,30,92,75,837.22			योग	11,74,05,67,532.85	13,95,19,323.20	9,48,84,586.00	11,78,52,02,270.05
8792420.22	12		आकस्मिक देयताएं	11691119.22	0.00	0.00	11691119.22
8792420.22		1	डिपाजिटर एजुकेशन एंड अवेयरनेस फंड रिजर्व बैंक को प्रेषित	11691119.22			11691119.22

31.03.2025 पर (राशि रूपये)			संपत्तियां एवं आस्तियॉं (राशि रूपये)	31.03.2025 पर जोडी गई	राशि जो कम की गई	राशि जो	एम.ओ.सी. के पश्चात 31.03.2025 पर राशि
1			2	3	4	5	6 (3+4-5)
10,78,23,948.00	1		सिलक	18,92,73,491.00	0.00	0.00	18,92,73,491.00
105940948.00		अ	नगदी शाखाओं में	188492991.00			188492991.00
1883000.00		ब	नगदी ए.टी.एम. में	780500.00			780500.00
49,94,42,762.84		स	चालू खातो में	93,70,43,605.93	38,29,573.66	0.00	94,08,73,179.59
6576036.74		1	म.प्र. राज्य सह.बैंक भोपाल मुख्यालय	31304699.92			31304699.92
21972241.27		2	म.प्र.राज्य सह.बैंक भोपाल शाखा	212846300.62			212846300.62
59621802.06		3	स्टेट बैंक आफइंडिया	53862548.45	3829573.66		57692122.11
10000.00		4	स्टेट बैंक आफईडिया जेमपूल खाता	10000.00			10000.00
62848425.57		5	सेन्ट्रल बैंक आफइंडिया	42191593.85			42191593.85
107080302.55		6	बैंक आफमहाराष्ट्र	207537134.41			207537134.41
29310672.00		7	बैंक आफबडौदा	38556797.00			38556797.00
70695885.39		8	सेन्ट्रल बैंक ऑफइंडिया आर.टी.जी.एस.	52762514.97			52762514.97
8495405.57		9	आई.डी.बी.आई.बैंक	32495397.60			32495397.60
29901.17		10	एक्सिस बैंक	231202.17			231202.17
82546482.38		11	आई.सी.आई.सी.आई. बैंक	199119922.52			199119922.52
10313492.95		12	एच.डी.एफसी. बैंक	25313492.95			25313492.95
15013219.52		13	आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एटीएम	22328433.40			22328433.40
12431.02		14	यस बैंक बैतूल	12431.02			12431.02
12206438.67		15	एक्सिस बैंक सीटीएस क्लीयरिंग	2184053.35			2184053.35
2199970.50		16	आई.सी.आई. बैंक आईएमपीएस	2199970.50			2199970.50
10510055.48		17	बंधन बैंक लिमिटेड	14087113.20			14087113.20
1,37,42,03,703.00	2		अन्य बैंको में बकाया	1ए47,79,99,685.00	0.00	0.00	1,47,79,99,685.00
		1	म्यादी अमानतें				
		अ	अपेक्स बैंक में				
1362732365.00		1	म.प्र.राज्यसह.बैंक शाखा भोपाल	1465696675.00			1465696675.00
11471338.00		2	म.प्र.राज्यसह.बैंक मर्या.भोपाल मुख्यालय (रिजर्व फंड)	12303010.00			12303010.00
0.00		ब	अन्य बैंको में	0.00			0.00
0.00	3		मांग तथा अल्पकालीन	0.00			0.00
1,47,88,99,747.00	4		विनियोग	1,45,15,93,850.00	0.00	0.00	1,45,15,93,850.00
		1	केन्द्रीय तथा राज्य शासन				
1289236947.00		अ	केन्द्रीय/राज्य सरकार प्रतिभुतियों में	1288131050.00			1288131050.00
0.00		2	अन्य न्यासी प्रतिभुतियों में				0.00
0.00		3	सहकारी संस्थाओं के अंशो में				0.00
149049800.00		अ	म.प्र. राज्य सह. बैंक अंशो में	162849800.00			162849800.00
113000.00		ब	इंडियन फर्मरस फर्टी. कोआप. लि. नई दिल्ली के अंशों में	113000.00			113000.00
2			सम्पत्तिया वर्ष 2024-2025				.2
0.00		स	बचत निधियां म.प्र. राज्य सहकारी बैंक अंशो में	0.00			0.00
500000.00		द	कृषक भारतीय सहकारी समीति	500000.00			500000.00
40000000.00		4	नाबार्ड के टर्म मनी बारोइंग में विनियोजन	0.00			0.00
0.00	5		मुख्य/सहायक राज्य भागीदारी कोष में विनियोजन	0.00			0.00
0.00		1	केन्द्रीय सहकारी बैंक	0.00			0.00
0.00		2	प्राथमिक कृषि साख समीति	0.00			0.00
0.00		3	अन्य समीतियां	0.00			0.00
7,26,07,20,859.99	6		ऋण बकाया	7,14,76,65,778.64	0.00	0.00	7,14,76,65,778.64
7080071199.39		1 अ ब	अल्पकालीन ऋण नगद साख अधिविकर्ष तथा छूटे हुए विपत्र जो सुरक्षित है। शासकीय तथा अन्य मान्य प्रति. अन्य वास्तविक प्रति. पर रू जिसमें व्यक्तिगत ऋण 381.78 लाख कालातीत ऋण 54066.90 लाख	7018320637.27			7018320637.27
72612695.98		2 अ ब	गैर निष्पादित आस्तियां 6140.27 लाख मध्यकालीन ऋण सुरक्षित है। शासकीय तथा अन्य मान्य प्रति. अन्य वास्तविक प्रति. पर रू जिसमें व्यक्तिगत ऋण 292.86 लाख कालातीत ऋ्ण 352.86 लाख	35286650.67			35286650.67
108036964.62		3 अ ब	गैर निष्पादित आस्तियां 352.86 लाख दीर्घावधि ऋण जो सुरक्षित है। शासकीय तथा अन्य मान्य प्रति. अन्य वास्तविक प्रति. पर रू जिसमें व्यक्तिगत ऋण 914.07 लाख कालातीत ऋण883.40 लाख	94058490.70			94058490.70
			गैर निष्पादित आस्तियां .882.26 लाख				
12,28,31,735.16	7		प्राप्ति योग्य ब्याज	7,09,30,005.88	4,07,13,482.00	0.00	11,16,43,487.88
84841057.03		अ	प्राप्ति योग्य ब्याज ऋण एवं अग्रिमों पर	38334188.70	40713482.00		79047670.70
23985070.00		ब	प्राप्ति योग्य ब्याज शासकीय प्रतिभुतियों पर	23985070.00			23985070.00
14005608.13		स	प्राप्ति योग्य ब्याज एफडी.आर.विनि. पर	8610747.18			8610747.18
	8		प्राप्ति योग्य विपत्र संग्रहण हेतु विपत्र जो दोनो ओर समान है।				
12627014.13	9		शाखा समायोजन	0.00			0.00
.3			सम्पत्तिया वर्ष 2024-2025				.3
4176689.46	10		भूमि एवं भवन	3952236.24	0.00	0.00	3952236.24
4606278.09			प्रारंभिक शेष	4176689.46			4176689.46
0.00			(.) वर्ष में क्रय	322236.00			322236.00
46,06,278.09			योग	44,98,925.46			4498925.46
429588.63			(-) अवक्षयण	546689.22			546689.22
41,76,689.46			शेष	39,52,236.24			39,52,236.24
1,31,13,009.33	11		साज और सज्जा	1,21,73,805.21	0.00	0.00	1,21,73,805.21
		1	फर्नीचर				
6133699.02			प्रारंभिक शेष	5699892.01			5699892.01
136030.00			(.) वर्ष में क्रय	188670.00			188670.00
62,69,729.02			योग	58,88,562.01			5888562.01
569837.01			(-) अवक्षयण	667171.18			667171.18
56,99,892.01			शेष	52,21,390.83			5221390.83
		2	संगणक				
327553.73			प्रारंभिक शेष	840495.45			840495.45
873215.00			(.) वर्ष में क्रय	0.00			0.00
12,00,768.73			योग	8,40,495.45			840495.45
360273.28			(-) अवक्षयण	370958.92			370958.92
8,40,495.45			शेष	4,69,536.53			469536.53
		3	डुप्लीकेटर एवं टाइपराइटर				
501.13			प्रारंभिक शेष	425.96			425.96
0.00			(.) वर्ष में क्रय	0.00			0.00
501.13			योग	425.96			425.96
75.17			(-) अवक्षयण	63.89			63.89
425.96			शेष	362.07			362.07
		4	नलकूप				
3043.82			प्रारंभिक शेष	2587.25			2587.25
0.00			(.) वर्ष में क्रय	0.00			0.00
3,043.82			योग	2,587.25			2587.25
456.57			(-) अवक्षयण	388.09			388.09
2,587.25			शेष	2,199.16			2199.16
		5	इलेक्ट्रानिक उपकरण				
4521632.46			प्रारंभिक शेष	5867852.11			5867852.11
2217710.00			(.) वर्ष में क्रय	1054548.94			1054548.94
67,39,342.46			योग	69,22,401.05			6922401.05
871490.35			(-) अवक्षयण	1038577.51			1038577.51
58,67,852.11			शेष	58,83,823.54			5883823.54
		6	जीप				
581720.11			प्रारंभिक शेष	494462.09			494462.09
0.00			(.) वर्ष में क्रय	0.00			0.00
5,81,720.11			योग	4,94,462.09			494462.09
0.00			(-) वर्ष में विक्रय	0.00			0.00
87258.02			(-) अवक्षयण	74169.30			74169.30
4,94,462.09			शेष	4,20,292.79			420292.79
		7	मोबाईल वेन				
243875.84			प्रारंभिक शेष	207294.46			207294.46
0.00			(.) वर्ष में क्रय	0.00			0.00
2,43,875.84			योग	2,07,294.46			207294.46
36581.38			(-) अवक्षयण	31094.17			31094.17
2,07,294.46			शेष	1,76,200.29			176200.29
.4			सम्पत्तिया वर्ष 2024-2025				.4
43,54,36,368.31	12		अन्य आस्तियां	44,99,35,074.95	10,18,401.54	9,26,720.00	45,00,26,756.49
452158.97		1	छपाई खर्च समिति से लेन	442393.23			442393.23
5673677.94		2	शाखा गबन राशि	5673677.94			5673677.94
32524.00		3	अन्य जमा	24902.00			24902.00
335449.40		4	स्टाक फामर्स रजिस्टर	425313.58			425313.58
0.00		5	स्टाक स्टेशनरी	42470.96			42470.96
9009804.24		6	सस्पेंस बुक बैलेंस अंतर ऋण मद का	8952708.83			8952708.83
5460133.80		7	सस्पेंस बुक बैलेंस अंतर अमानत मद का	5710531.80			5710531.80
4597571.93		8	स्त्रोत पर कर कटौती	4852463.93	96155.04		4948618.97
130127.99		9	पूर्व दत्त व्यय	332085.63			332085.63
34405.60		10	क्लीन अधिविकर्ष (सेविंग ऋणात्मक राशि)	34405.60			34405.60
122593.23		11	विस्तार शाखा बैतूल	122593.23			122593.23
33718.00		12	डी.ई.,ए,फ क्लेम रिजर्व बैंक से लेन	33718.00			33718.00
764470.00		13	सिलक चोरी	764470.00			764470.00
14843851.00		14	आयकर अग्रिम	12480247.00		926720.00	11553527.00
381028351.84		15	किसान ऋण माफी समिति से लेन	381028351.84			381028351.84
136750.00		16	एलपीजी क्रेडिट	88570.00			88570.00
2325476.00		17	सीजी,सटी आईटीसी	2317986.34			2317986.34
2325476.00		18	एसजी,सटी आईटीसी	2053413.34			2053413.34
147332.00		19	आईजी,सटी आईटीसी	725366.72			725366.72
4927971.47		20	प्राप्ति योग्य कमीशन	0.00	410.00		410.00
195298.00		21	क्लेम फार लोरो	166773.00			166773.00
2331712.75		22	एटीएम चार्जेस लेन	3092031.75			3092031.75
287494.78		23	नेफट इनवर्ड मैसेज सस्पेंस अकाउंट	16276053.21			16276053.21
164803.15		24	यूआईडी क्रेडिट	4067850.00			4067850.00
74643.22		25	बेलेंसिंग खाता	58474.50			58474.50
573.00		26	आईजी,सटी केश लेंजर	1453.00			1453.00
0.00		27	पेक्स पूल	15828.52			15828.52
0.00		28	एसीएच डेबिट रिटर्न	100941.00			100941.00
0.00		29	प्राप्ति योग्य वेतन ,नर्सीडीसी से	50000.00			50000.00
0.00		30	कोर्ट केस हेतु अग्रिम भुगतान	0.00	921836.50		921836.50
0.00	13		नान बैंकिंग परिसंपत्तियां				0.00
0.00	14		संचित हानि				0.00
11,30,92,75,837.22			योग	11,74,05,67,532.85	4,55,61,457.20	9,26,720.00	11,78,52,02,270.05
8792420.22	15		आकस्मिक आस्तियां	11691119.22	0.00	0.00	11691119.22
8792420.22		1	डिपाजिटर ,जुकेशन फंड अवेयरनेस फंड रिजर्व बैंक के पास जमा	11691119.22			**11691119.22**

शाखा प्रबंधक(लेखा)
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल
स्थान- बैतूल
दिनांक -

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल

प्रशासक
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल

बैंक अंकेक्षक
सीए दिनेश सिंघल (पार्टनर)
मेसर्स दिनेश सिंघल एंड कंपनी चार्टर्ड एकाउंटेंटस भोपाल
फर्म रजि.नं. 005897सी
मेम्बरशिप नं. 072605

शाखा प्रबंधक(लेखा)
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल
स्थान- बैतूल
दिनांक -

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल

प्रशासक
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल

बैंक अंकेक्षक
सीए दिनेश सिंघल (पार्टनर)
मेसर्स दिनेश सिंघल एंड कंपनी चार्टर्ड एकाउंटेंटस भोपाल
फर्म रजि.नं. 005897सी मेम्बरशिप नं. 072605

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. बैतूल म.प्र.

लाभ हानि पत्रक वर्ष 2024-2025 (31.03.2025)

वर्ष 2024-2025 31.3.2025 (रूपये)		व्यय	वर्ष 2024-2025 31.3.2025 (रूपये)	राशि जो जोडी गई	राशि जो कम की गई	एम.ओ.सी. के पश्चात 31.3.2025 (रूपये)
27,66,18,126,19	1	सूद दिया अमानतो पर	31,08,47,236.86			31,08,47,236.86
15,31,57,354.32		सूद दिया उधार ऋणों पर	18,70,61,574.55			18,70,61,574.55
6,20,82,867.50	2	वेतन भत्ते तथा भविष्य निधि अंशदान इत्यादि	6,43,79,923.00			6,43,79,923.00
0.00	3	संचालक तथा स्थानीय सदस्यों की फीस तथा भत्ते				0.00
99,65,197.74	4	किराया कर बीमा एवं प्रकाश	1,05,01,698.22			1,05,01,698.22
6,24,591.00	5	विधि व्यय	16,11,911.50		9,21,836.50	6,90,075.00
1,38,397.73	6	डाकतार एवं दूरभाष	1,47,594.82			1,47,594.82
10,52,186.00	7	अंकेक्षण शुल्क	11,63,370.00			11,63,370.00
22,61,146.41	8	संपत्तियों पर अवक्षयण	27,29,112.28			27,29,112.28
21,48,751.74	9	सफाई रंगाई एवं मरम्मत	25,52,294.21			25,52,294.21
8,07,717.46	10	लेखन सामग्री, छपाई, विज्ञापन	12,25,995.86			12,25,995.86
13,00,025.00	11	ग्रेच्युटी खर्च	30,00,000.00		8,84,586.00	21,15,414.00
97,395.00	12	बोनस	1,70,845.00			1,70,845.00
1,10,19,760.01	13	कोर बैंकिंग सेवा खर्च	90,93,932.74			90,93,932.74
17,96,66,500.00	14	बेड ,एंड डाउटफुल रिजर्व हेतु प्रावधान	19,65,00,000.00	3,95,71,000.00		23,60,71,000.00
.	15	नान बैंकिग संपत्तियों की खरीदी बिक्री से हानि	.			0.00
.	16	कमीशन व्यय हेतु प्रावधान	44,98,421.00	24,75,451.00		69,73,872.00
1,34,87,037.81	17	अन्य खर्च	1,50,57,759.46	98,604.00	30,000.00	1,51,26,363.46
2,48,26,413.80	18	लाभ (आयकर प्रावधान के पूर्व)	2,70,79,414.37			3,07,86,294.16
62,06,603.00	19	आयकर खर्च	67,69,854.00	9,26,720.00		76,96,574.00
1,86,19,810.80	20	लाभ का शेष	2,03,09,560.37			2,30,89,720.16
73,92,53,467.71		**योग**	**83,76,21,083.87**	**4,30,71,775.00**	**18,36,422.50**	**88,16,36,596.16**

वर्ष 2024-2025 31.3.2025 (रूपये)		आय	वर्ष 2024-2025 31.3.2025(रूपये)	राशि जो जोडी गई	राशि जो कम की गई	एम.ओ.सी. के पश्चात 31.3.2025 (रूपये)
58,72,20,308.32	1	सूद एवं छूट	68,80,32,974.13	4,07,13,482.00		72,87,46,456.13
2,58,74,453.68	2	ब्याज प्राप्त (एफडी.आर.पर)	3,13,04,129.05			3,13,04,129.05
10,03,78,892.00	3	ब्याज प्राप्त (शास.प्रतिभूतियोंपर)	10,03,78,892.00			10,03,78,892.00
3,86,301.00	4	ब्याज प्राप्त (नाबार्ड टर्नमनीबारो.पर)	11,09,589.00			11,09,589.00
23,781.00	6	कालमनी पर ब्याज प्राप्त	0.00			0.00
52,30,600.00	7	लाभांश प्राप्त	40,29,062.00			40,29,062.00
1,76,955.83	8	कमीशन	51,24,339.18	33,02,030.29		84,26,369.47
0.00	9	अनुदान एवं चंदे				0.00
0.00	10	नान बैंकिग संपत्तियों की खरीद बिक्री से लाभ				0.00
1,58,14,649.19	11	अन्य प्राप्तियां	76,42,098.51			76,42,098.51
41,47,526.69	12	देंयताये आधिक्य प्रावधान वापस				0.00
0.00	13	हानि (यदि हो तो)				0.00
73,92,53,467.71		**योग**	**83,76,21,083.87**	**4,40,15,512.29**	**0.00**	**88,16,36,596.16**

शाखा प्रबंधक(लेखा)
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल
स्थान- बैतूल
दिनांक -

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल

प्रशासक
जिला सह.के.बैंक मर्या. बैतूल

बैंक अंकेक्षक
सीए दिनेश सिंघल (पार्टनर)
मेसर्स दिनेश सिंघल एंड कंपनी चार्टर्ड एकाउंटेंटस भोपाल
फर्म रजि.नं. 005897सी, मेम्बरशिप नं. 072605

अंकेक्षण प्रमाण पत्र

मै निम्न हस्ताक्षर कर्ता अंकेक्षण विवरण प्रमाणित करता हूँ कि मेरी फर्म के अंकेक्षण अधिकारी, निरीक्षण एवं आडिटर ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बैतूल,(म.प्र.) जिसका पंजीयन क्रमांक-12 दिनांक 24 जून 1907 रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लायसेंस क्रमांक आरपीसीडी 31/2011-12 दिनांक 09 जनवरी 2012 जो जिला बैतूल में है, (जिसमे 16 शाखाएँ सम्मिलित है) का वर्ष 2024-25 का अंकेक्षण मध्य प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम एवं पंजीयक सहकारी समिति म. प्र. भोपाल एवं रिजर्व बैंक/ नाबार्ड के द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया है। बैंक का पंजीयन प्रमाण पत्र/ लाइसेंस बैंक में उपलब्ध है।

मेरे द्वारा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, बैतूल,(म.प्र.) का दिनांक 31/03/2025 तक की स्थिति का विवरण पत्रक तथा लाभ हानि पत्रक, जो उस दिनांक से समाप्त होने वाले लेखाओं से संबंधित है, का परिक्षण प्रधान कार्यालय तथा शाखाओं द्वारा भेजे गए प्रमाणित लेखाओं के आधार पर किया गया है जो कि इन पत्रकों में सम्मिलित हैं।

अतः मेरे मत के अंकेक्षण रिपोर्ट एवं एल.एफ.ए.आर एवं एम.ओ.सी में विस्तृत टिप्पणियाँ एवं आक्षेपों को छोड़कर, मै सूचित करता हूँ कि:-

1. बैंक का व्यवसाय आमतौर पर विधिवत उपनियमों एवं नियमों के अंतर्गत तथा पंजीयक सहकारी समिति भोपाल के प्रशासनिक निर्देशों के एवं बैंकिंग रेगुलेशन अधिनियम की आवश्यकताओं के अनूरूप किया गया है।
2. बैंक का स्थिति विवरण पत्रक परिपूर्ण तथा ठीक है। आवश्यक सभी जानकारियाँ जो कि बैंक के व्यवहार एवं स्थिति को दर्शाते हैं उनका समावेश इन पत्रकों में हैं। मुझे जो जानकारी बैंक कि स्थिति के सम्बन्ध में बताई गयी है तथा जो खातों में दर्शाई गयी है उनका समावेश इन पत्रकों में है। आपत्तियाँ ऑडिट नोट में बताई गई है।
3. आवश्यकतानुसार समस्त जानकारी मेरे संतोष होने तक बैंक द्वारा मुझे उपलब्ध करायी गई है।
4. बैंक का समस्त व्यवहार, व्यवसाय निर्धारित कार्य सीमा के अंतर्गत किया गया है।
5. अंकेक्षण हेतु जो पत्रक बुलाये गए सभी पूर्ण एवं पर्याप्त है।
6. लाभ हानि पत्रक शेष लाभ का सही चित्रण करता है।
7. बैंक की स्थिति विवरण पत्रक एवं लाभ हानि पत्रक नियमों के अनुरूप रखे गए है।
8. मेरे मत से बैंक की समस्त लेखा पुस्तिकाएं आवश्यकता के अनुरूप रखी गयी है।

अतः मै बैंक को पंजीयक, सहकारी संस्थाए, मध्य प्रदेश द्वारा प्रकाशित निर्देशों में दी गई कसौटी एवं दिशा निर्देशों एवं तथ्यों के आधार पर बैंक को ''अ'' वर्ग में वर्गीकृत करता हूँ।

कृते दिनेश सिंघल एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स FRN-005897C

दिनांक :-19.06.2025
स्थान:- बैतूल

सी.ए. दिनेश सिंघल
साझेदार सदस्यता क्रमांक 072605

कॉलर आईडी लगाकर मॉनिटरिंग के लिए पुनः जंगल में छोड़ा

एसटीआर मे दो चौकीदार पर हमला करने वाले बाघ का हुआ रेस्क्यू

सोहागपुर,देशबन्धु। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में चौकीदार विजेंद्र टेकाम और सद्दू लाल पर हमला करने वाले बाघ को आज कॉलर आईडी लगाई गई, हाथियों के द्वारा उसे घेर कर डॉक्टर ने इंजेक्शन से शूट किया फिर बेहोश होने के बाद बाघ को कॉलर आईडी लगाई गई, बाघ के स्वभाव और उसकी लोकेशन की सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कर्मचारियों द्वारा निगरानी होगी, कॉलर आईडी लगाए जाने के दौरान फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा अपने स्टाफ और डॉक्टरों की टीम के साथ मौके पर मौजूद थी यह युवा बाघ काफी आक्रामक है एस टी आर प्रबंधन पर्यटकों को इस बाघ दूर रखेंगे जहां पर इस बाघ की लोकेशन होगी वहां पर्यटको को नहीं ले जाया जाएगा प्रबंधन ने चौकीदारों की ग्रस्त के दौरान सुरक्षा हेतु इलेक्ट्रिक छड़ी टॉर्च और अलार्म दिए हैं किसी भी बाघ के अचानक सामने आने पर यह लोग बाघ को बिना नुकसान पहुंचा अपना बचाव कर पाएंगे।

बरसात से पहले महिलाओं ने संभाली हरियाली की कमान

बारिश के पहले जो भी बीज हम फेंकते हैं वह आने वाले समय में बन जाते पौधे

राष्ट्रीय युवा हिंदू वाहिनी महिला संगठन ने जंगलों में फेंकी सिड बॉल्स

बैतूल, देशबन्धु। सोनाघाटी स्थित बटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में हर वर्ष की तरह इस साल भी राष्ट्रीय युवा हिंदू वाहिनी महिला संगठन ने पौधारोपण का संकल्प निभाया। इस मौके पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष कविता उमाकांत मालवी, जिला अध्यक्ष लता सोनी, प्रदेश महामंत्री सरिता पवार और सचिव पिंकी नामदेव उपस्थित रहीं। संगठन की महिलाओं ने पौधारोपण के साथ वर्षा ऋतु के पहले विशेष रूप से तैयार की गई सिड बॉल्स (बीज गेंदें) को जंगलों और हाईवे किनारे फेंका। इन सिड बॉल्स में पौधों के बीज मिट्टी और खाद के साथ लपेटे जाते हैं, जिन्हें बारिश के पानी से स्वतः ही अंकुरित होने का अवसर मिलता है। संगठन की

महिलाओं का कहना है कि हर साल वे यह कार्य करती हैं ताकि जहां पौधे लगाना संभव नहीं होता, वहां भी प्रकृति को हरियाली से संवारने का एक प्रयास किया जा सके। उनका मानना है कि पर्यावरण को संरक्षित करने का यह सरल, सुलभ और प्रभावी तरीका है।इस अवसर पर कविता मालवी ने कहा कि आज हम जिस धरती पर सांस लेते हैं, वह हमें बिना कुछ मांगे जीवन देती है। तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हम उसे सांस लेने लायक बनाकर रखें। हर साल हम सिड बॉल बनाकर जंगलों और हाईवे किनारे फेंकते हैं ताकि वहां भी हरियाली पहुंचे जहां तक हमारे कदम नहीं पहुंच पाते।बारिश के पहले जो बीज हम फेंकते हैं, वही कल पेड़ बनकर हमारी आने वाली पीढ़ियों को छांव देंगे, हवा देंगे और जीवन देंगे। संगठन की सभी बहनों का धन्यवाद जो हर साल इस अभियान में तन-मन से जुड़ती हैं और समाज को यह संदेश देती हैं कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, हम सबकी है।

गायत्री परिवार की कार्यशाला आज छिंदवाड़ा में

बैतूल, देशबन्धु। गायत्री परिवार उपजोन समन्वय समिति की कार्यशाला आज 29 जून को छिंदवाड़ा में आयोजित की गई है।
गायत्री परिवार के जिला समन्वयक डॉ कैलाश वर्मा व जिला सह समन्वयक रविशंकर पारखे ने बताया कि गुरु पूर्णिमा से 40 दिवसीय साधना अभियान प्रारंभ हो रहा है।
इसके लिए आवश्यक मार्गदर्शन कार्यशाला में दिया जाएगा। इस कार्यशाला में तहसील समन्वयको व साधना अभियान प्रभारियों से कार्यशाला में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

आज होगा सुरीला नर्मदापुरम, 'गीत गाता चल'सुरीले सफर के साथ

नर्मदापुरम, देशबन्धु। व्यस्ततम और तनावपूर्ण जीवन में हर व्यक्ति जीवन की आपा- धापी में उलझा रहता है और अपने लिए समय नहीं निकल पाता है।भागम भाग के जीवन से कुछ पल अपने लिए निकालिए और शामिल हो जाइए सुरीले सफर नर्मदापुरम में फन,म्यूजिक और मस्ती के साथ। म्यूजिक जोन ग्रुप और नर्मदापुर युवा मंडल के तत्वावधान में एक सुरीले सफर % गीत गाता चल% कार्यक्रम की शुरुआत आज से की जा रही है। नर्मदापुरम युवा मंडल के अध्यक्ष डॉ अखिलेश खंडेलवाल ने बताया कि गीत गाता चल कार्यक्रम प्रति रविवार नेहरू पार्क में सायं 4.30 बजे से 6.00 बजे तक रहेगा। आप अपने परिवार के साथ आइए और सुरीले सफर के साथ कुछ पल मनोरंजन के साथ बिताइए।भूल कर ये कि लोग क्या कहेंगे आइए संगीत के आगोश में समाइये।

सान्दीपनि विद्यालय में हुआ करियर गाइडेंस एवं काउंसलिंग कार्यक्रम

विद्यार्थियों को स्वप्रेरणा और स्वेच्छा से शिक्षा ग्रहण करने की समझाइश

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण, शिक्षकगण एवं अभिभावकगण उपस्थित थे

भैंसदेही,देशबन्धु। नगर के शासकीय सान्दीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए करियर गाइडेंस एवं काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला सहायक संचालक जनजाति आदिवासी कार्य विभाग बैतूल एवं सांदीपनि विद्यालय घोड़ाडोंगरी प्राचार्य विवेक तिवारी एवं उनकी भतीजी सुश्री प्रकृति तिवारी ने कक्षा ग्यारहवीं में विषय चयन एवं भविष्य निर्माण हेतु विद्यार्थियों का मार्ग दर्शन किया। अपने उद्बोधन में श्री तिवारी जी ने विद्यार्थियों को स्वप्रेरण और स्वेच्छा से शिक्षा ग्रहण करने हेतु प्रेरित किया। अपनी

अभिरुचि और अभिक्षमता के आधार पर भविष्य की संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए विषय चयन करने पर जोर दिया, जिससे अपने भविष्य की संभावित उपलब्धियां को वे पूरी लगन मेहनत से हासिल कर पाए। खेल-खेल में शिक्षा पर जोर देते हुए श्री तिवारी ने विद्यार्थियों को अपने स्वयं के और अभिभावकों के सपनों को पूरा करने के लिए गंभीरता से स्वाध्याय अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे वे रुचि के साथ अध्ययन कर सके और अपना भविष्य संवार सके। सुश्री तिवारी जी ने भी विद्यार्थियों को अपने समय एवं इंटरनेट का सदुपयोग करने पर जोर देते हुए उन्हें भविष्यगत संभावनाओं को जानने हेतु प्रेरित किया। विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथियों को मोमेंटो के रूप में भेंट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्राचार्य संदीप राठौर ने आमंत्रित मुख्य अतिथियों का उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य समय एवं मार्गदर्शन के लिए आभार प्रस्तुत किया। उक्त कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण, शिक्षकगण एवं अभिभावकगण उपस्थित थे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

बैतूल, देशबन्धु। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की जांच एवं नमूने लिए जाने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अभिहित अधिकारी खाद्य सुरक्षा प्रशासन शैलेंद्र बड़ोनिया के मार्गदर्शन में 28 जून को खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती मीना कुमरे द्वारा भैंसदेही तहसील स्थित बाजार से मां नर्मदा जलेबी सेंटर से यूस कुकिंग ऑयल, श्री बालाजी किराना से चावल, साबूदाना तथा राधिका दूध डेयरी से पनीर, गाय का दूध, गाय का भैंस का मिश्रित दूध, घी खोवा के नमूने लिए गए। लिए गए सैंपल राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला एवं केली लैब भोपाल भेजे जाएंगे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती मीना कुमरे द्वारा भैंसदेही तहसील स्थित बाजार से मां नर्मदा जलेबी सेंटर से यूस कुकिंग ऑयल, श्री बालाजी किराना से चावल, साबूदाना तथा राधिका दूध डेयरी से पनीर, गाय का दूध, गाय का भैंस का मिश्रित दूध, घी खोवा के नमूने लिए गए।

मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मध्य प्रदेश शासन की पहल

सर्पदंश से जन सामान्य के बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। बरसात के मौसम में सांपों के प्राकृतिक निवास में पानी भर जाने के कारण सर्पदंश की घटनाओं में वृद्धि होने को दृष्टिगत रखते हुए मध्य प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मध्य प्रदेश शासन द्वारा सर्पदंश की घटनाओं से जनहानि के नियंत्रण और बचाव के लिए सुझाव जारी किए गए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा सर्पदंश की घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई संपादित किए जाने के संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें सर्पदंश से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता, सर्प से बचाव, प्राथमिक उपचार, साफ सफाई, प्रशिक्षित सर्प मित्रों की वार्ड एवं ग्रामीण स्तरों में तैनाती आदि सम्मिलित है। स्कूल एवं कॉलेज में सर्पदंश के खतरों एवं प्राथमिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं साथ ही सिविल डिफेंस आपदा मित्र वॉलिंटियर के लिए सांपों के विभिन्न प्रजातियों की पहचान तथा सर्पदंश के प्राथमिक उपचार एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित करें। जिले में प्रशिक्षित स्नेक कैचर्स सर्प मित्रों की पंचायत एवं वार्ड स्तर पर तैनाती की जाए साथ ही उनके हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाना सुनिश्चित करें।

सर्पदंश के बाद क्या ना करें

स्वयं से किसी भी प्रकार की दवाई मरीज को ना दें साथ ही पीड़ित व्यक्ति के सर्पदंश वाले भाग पर किसी भी प्रकार का मलहम ना लगाएं एवं सपेरे अथवा तांत्रिक से किसी भी प्रकार का परामर्श न लें। शीघ्र ही नजदीकी अस्पताल ~~पहुंचकर चिकित्सा सहायता प्राप्त करें।~~ सर्पदंश स्थल को काटने या चूसने की कोशिश ना करें यह विष को हटाने में मदद नहीं करता और संक्रमण का जोखिम बढ़ा सकता है।

सर्पदंश से बचने के उपाय

सर्पदंश से बचने के लिए स्लीपिंग बैग जूते और कपड़ों को उपयोग करने से पहले उन्हें हिलाए जिससे उनमें छिपे सांप या अन्य कोई जीव जंतु बाहर निकल जाएं। रात में टहलते समय भारी बारिश के बाद टॉर्च या रोशनी का उपयोग करें। अपने घरों के आसपास साफ सफाई रखें।
घर या दुकान के आसपास किसी भी तरीके का कबाड़ इकट्ठा न होने दें ।

जिले में 1 जून से 28 जून तक 1037.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई

नर्मदापुरम । जिले में 1 जून 2025 से आज दिनांक 28 जून को प्रातः 8 बजे तक जिले में 1037.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 828.9 मिलीमीटर वर्षा हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 28 जून 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 17.9 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 0.0 मिलीमीटर, इटारसी में 0.6 मिलीमीटर, माखननगर में 0.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 5.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 5.6 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 6.4 मिलीमीटर, पचमडी में 2.0 एवं तहसील डोलरिया में 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जिले की सामान्य औसत वर्षा 1370.5 मिलीमीटर है।

सफलता की कहानी : कुंअर बाई, अखिल पटेल ने विपरीत हालात में हासिल की सफलता

आर्थिक सशक्तता और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने के लिए मिली नई दिशा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। बनखेड़ी तहसील के ग्राम खामखेड़ी, की रहने वाली श्रीमति कुअर बाई ने रेशम पालन को अपनाकर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया बल्कि आज वे ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई हैं। बेहद कमजोर आर्थिक हालातों से जूझ रही श्रीमति कुअर बाई के पास पहले आय का कोई निश्चित साधन नहीं था। परिवार के भरण-पोषण में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी दौरान मध्यप्रदेश सरकार की स्वावलंबन योजना उनके जीवन में आशा की किरण बनकर आई। उन्होंने योजना का लाभ उठाते हुए रेशम कीट पालन कार्य की शुरुआत की। शासकीय रेशम केन्द्र खामखेड़ी के अंतर्गत उन्हें एक एकड़ भूमि भोगाधिकार योजनान्तर्गत आवंटित की गई। रेशम विभाग की तकनीकी सहायता और मार्गदर्शन के साथ उन्होंने इस कार्य को गंभीरता से अपनाया। समय-समय पर उन्नत तकनीकों की जानकारी और उच्च गुणवत्ता के ककून उत्पादन के लिए विभाग द्वारा उन्हें प्रशिक्षित किया गया।
वर्ष 2024-25 में ककून उत्पादन से उनकी कुल आय 1,20,034 रही, जिससे उनका परिवार

अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो चुका है। इस कार्य से उन्हें न केवल आर्थिक लाभ हुआ, बल्कि वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने में भी सफल हुई हैं। श्रीमती कुअर बाई बताती है कि रेशम पालन ने उनके जीवन की दिशा बदल दी है। अब वे अपने परिवार को आर्थिक रूप से सहयोग देने में समर्थ हैं और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी रही हैं। उनकी इस सफलता में रेशम विभाग की तकनीकी सहायता, सरकार की योजनाएं और उनकी स्वयं की मेहनत व समर्पण प्रमुख भूमिका में रहे हैं। आज श्रीमति कुअर बाई जैसी महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल बन रही हैं।

23 एकड़ में लिया गन्ना, मिली सक्सेस

प्रगतिशील कृषक अखिल ने गन्ना उत्पादन में नवाचार से बढ़ाई आय

नर्मदापुरम। पिपरिया के ग्राम कन्हवार निवासी प्रगतिशील कृषक श्री अखिल पटेल ने गन्ना उत्पादन में नवीनतम तकनीकों और कृषि विभाग से प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन का सफलतापूर्वक उपयोग कर कृषि क्षेत्र में सफलता के नए सौपान प्राप्त किए हैं। पटेल ने अपनी 23 एकड़ कृषि भूमि में उन्नत गन्ना किस्मों — सीओ 86032, वीएसआई-8005 तथा सीओ-6010 — की खेती कर प्रति हेक्टेयर लागत में कमी और उत्पादकता में वृद्धि कर शुद्ध लाभ अर्जित किया है। श्री पटेल ने प्रति हेक्टेयर 94,000 रुपये की लागत में 1260 किलो प्रति हेक्टेयर की उत्पादकता प्राप्त की। इससे उन्हें प्रति हेक्टेयर कुल उपज का मूल्य 3,59,000 रुपये मिला, जिसमें से लागत राशि घटाकर उन्होंने शुद्ध लाभ 2,65,000 रुपये प्रति हेक्टेयर अर्जित किया।गन्ना फसल का विक्रय कृषि विभाग द्वारा निर्धारित एफआरपी दर पर स्थानीय शक्कर कारखाना, बनखेड़ी में किया जा रहा है। श्री पटेल को समय-समय पर कृषि विभाग से तकनीकी मार्गदर्शन एवं स्प्रिंकलर सेट जैसे यंत्रों पर अनुदान भी प्राप्त हुआ है।

नागद्वारी मेले की ड्रोन से निगरानी करेगा प्रशासन

19 से 29 जुलाई तक आयोजित होगा पचमढ़ी नागद्वारी मेला

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल पचमढ़ी स्थित प्राचीन नागद्वारी मंदिर परिसर में प्रति वर्ष नागपंचमी के अवसर पर आयोजित होने वाला पचमढ़ी नागद्वारी मेला इस वर्ष 19 जुलाई से 29 जुलाई 2025 तक आयोजित किया जाएगा। मेले के सफल, सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर अपर कलेक्टर प्रशासन एवं जिला पंचायत सीईओ सोजान सिंह रावत की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा समस्त विभागीय अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करें। नागद्वारी मेले के दौरान इस बार साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही ड्रोन का उपयोग कर मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू रखा जाएगा। मेला अवधि में मेला स्थल पर चौबीस घंटे दो एम्बुलेंस जिप्सी की सुविधा भी रहेगी। श्री रावत ने सर्व संबंधितो को निर्देशित किया कि सभी श्रद्धा भाव से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने भजन मंडलियों को किया सम्मानित, बोलीं: समाज में करते रहें अच्छे काम

शाहपुर, देशबन्धु। गुरुवार को विधायक निवास भौंरा पर आयोजित एक कार्यक्रम में विधायक गंगा सज्जन सिंह उईके ने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न भजन मंडलियों को ढोलक सहित साज सज्जा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर नव ज्योति भजन मंडल रानीपुर, शिव महिला भजन मंडल आमढाना, खुशहाल भजन मंडल घोड़ाडोंगरी सहित कई अन्य भजन मंडलियों ने सम्मान प्राप्त किया।

आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर ताजिएदारों की बैठक सम्पन्न

शहादत की याद में मनाए जाने वाले मातमी पर्व मोहर्रम पर निकाले जाएंगे ताजिये, तैयारी पर चर्चा

ताजिए की जियारत के बाद अपने-अपने ईमाम बारगाह वापस चली जाएगी

सोहागपुर, देशबन्धु। पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाएं जाने वाले मोहर्रम के पर्व को लेकर स्थानीय सईद पिया के आस्ताने पर ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष वसीम खान की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि आगामी 27 जून (10 मोहर्रम) की सुबह 10 बजे नगर के समस्त ताज़िए अपने

अपने घरों से निकलकर स्थानीय पुराने थाने के पीछे हुसैनी चौक पर रखे जाएंगे, लगभग 30 मिनिट के बाद अपने अपने ईमाम बारगाह वापस चले जायेंगे। वही शाम लगभग 5:30 बजे (अस्र की नमाज) के बाद पुनः विभिन्न वार्डों से अपनी अपनी ईमाम बारगाह से समस्त ताज़िए उठकर पुराने थाने के पीछे हुसैनी चौक पर जियारत (दर्शनाथ) के लिए रखे जाएंगे, जहां रात 9 बजे से 11 बजे तक अखाड़े का कलात्मक प्रदर्शन होगा। 11 बजे के बाद से नगर की समस्त सवारियां अपने अपने काफिले के साथ सफर पर निकलेगी जो ताजिए की जियारत के बाद अपने अपने ईमाम बारगाह वापस चली जाएगी। रात भर ताज़िए पुरानी थाने के पीछे रखे रहेंगे जो अगले दिन 28 जून को सुबह लगभग 10: 00 बजे जुलुस की शक्ल में निकलकर अखाड़े व प्राचीन दुल-दुल के साथ आबकारी चौक के लिए प्रस्थान करेंगे। जो लगभग 12:00 बजे आबकारी चौक पर पहुंच जाएंगे। जो लगभग 2: 30 बजे पर जुहर की नमाज के बाद बड़े रेलवे पुल के पास पलकमति नदी (करबला) में सैराब (विसर्जित) किए जाएंगे. बैठक में नगर के समस्त ताजियेदार, सवारीदार सहित वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

अखाड़े की बागडोर सैयद इरफान अली को सौंपी

नगर के वरिष्ठजनों की उपस्थिति में इस वर्ष मोहर्रम पर होने वाले अखाड़े के लिए सैयद इरफान अली को पगड़ी पहनाकर उस्तादी सौंपी गई। जिसके बाद सभी ने सैयद इरफान को बधाई दी।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

प्रोफेसर ने अपने जन्म दिन पर महाविद्यालय में पौधे वितरित किए

आठनेर, देशबन्धु। शासकीय महाविद्यालय आठनेर की प्राचार्य डॉ सरोज पाटील के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ की बैठक ली गई जिसमें महाविद्यालय में प्रवेश से लेकर अन्य जानकारी एवं सुझाव दिये गये ।साथ ही महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनोद चौरसे वनस्पति शास्त्र का जन्म दिवस भी मनाया गया इस अवसर पर आठनेर महाविद्यालय को 06 गमले एवं पौधे देकर पौधारोपण किया गया । प्राचार्य ने संदेश दिया की प्रकृति को हरा भरा रखना है एवं अपना जीवन बचाना है तो वृक्ष जरूर लगाए। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सरोज पाटील, डॉ वर्जिनिया दवंडे प्रो. कमलेश पाटील डॉ विश्वास डॉ ठाकरे डॉ जितपुरे प्रो आशिष धोटे अरुण सोनारे राजेश ठाकरे सहित समस्त महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो प्रमोद गायकवाड़ द्वारा किया गया

जिले के चिन्हित गांवों में कल तक लगेंगे शिविर, मिलेगा ग्रामीणों को लाभ

बैतूल, देशबन्धु। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बैतूल जिले के 10 विकासखण्डों के चिह्नित 554 गांवों में 15 जून से 30 जून तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों का सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर का विकास, बुनियादी ढांचे के सुधार और स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के क्षेत्र में ठोस प्रगति के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा अभियान के तहत शिविर स्थल पर सेल्फी पाइंट, होर्डिंग पोस्टर एवं दीवारों पर चित्रकारी के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाकर शिविरों के प्रभावी और सफल क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। जनजातीय कार्य विभाग सहायक आयुक्त ने बताया कि धरती आबा के तहत चिन्हित गांवों में विकासखण्ड भीमपुर के 109, भैंसदेही के 71, आठनेर के 51. बैतूल के 62, चिचोली के 42, घोड़ाडोंगरी के 86, शाहपुर के 66, मुलताई के 09,प्रभात पट्टन के 26 तथा विकासखण्ड आमला के 32 गांव शामिल है। इन गांवों में हितग्राहियों को केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास, जल शक्ति, विद्युत, स्वास्थ्य और परिवार, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, दूरसंचार और जनजातीय कार्य विभाग सहित अन्य 17 विभागों की 25 योजनाओं से लाभान्वित किया जाकर जनजातीय समुदायों का शत-प्रतिशत संतृप्त किया जा रहा है।

हाईस्कूल पहुंच मार्ग मरम्मत के लिए विधायक निधी से एक लाख स्वीकृत

बैतूल, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र के शहरी सहित ग्रामीण इलाकों के चहुमुखी विकास एवं आम जन कि समस्याओं का त्वरित निराकरण के लिए बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल द्वारा ठोस पहल करने के साथ ही त्वरित क्रियान्वयन भी सुनिश्चित कराया जा रहा है। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुख्यालय मण्डईखुर्द में हाईस्कूल पहुंच मार्ग के क्षतिग्रस्त होने से वर्षाकाल के दौरान विद्यार्थियों को स्कूल जाने में परेशानी आने की जानकरी मिलते ही बैतूल विधायक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हाईस्कूल पहुंच मार्ग की मरम्मत के लिए विधायक निधी से एक लाख रूपये की राशि स्वीकृत कर बैतूल कलेक्टर को पत्र भेजा है। साथ ही राशि स्वीकृति के पत्र की प्रति ग्राम पंचायत मण्डईखुर्द के संरपच शंकर अहाके को देकर जल्द से जल्द हाईस्कूल मार्ग मरम्मत करने के निर्देश दिये है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पंवार एवं ग्राम पंचायत के पंच उज्जैन वाडीवा भी मौजूद रहे।

सेकंड राउंड काउंसलिंग कल तक

बैतूल, देशबन्धु। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बैतूल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए सेकंड राउंड काउंसलिंग की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अरुण सिंह भदौरिया ने बताया कि इसके पश्चात रिक्त सीटों के लिए 2 जुलाई 2025 दिन बुधवार को संस्था स्तर काउंसलिंग प्रक्रिया आयोजित की जाएगी।

सांदीपनि विद्यालय बैतूल बाजार के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ

विद्यालय के कक्ष महापुरूषों के नाम पर रहे ताकि विद्यार्थी इतिहास से हो सकें परिचित

बैतूल, देशबन्धु। सांदीपनि शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार के नवनिर्मित भवन का शनिवार को भव्य शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, सुधाकर पवार, नगर परिषद अध्यक्ष बैतूल-बाजार श्रीमती दुर्गावती वर्मा एवं उपाध्यक्ष सुरेश गायकवाड सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में नवनिर्मित भवन का भव्य शुभारंभ किया गया। शुभांरभ कार्यक्रम में विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि यह भवन विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की नई राह खोलने का काम करेगा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर ने इस मौके पर कहा कि इस विद्यालय के सभी कक्षों के नाम महापुरूषों के नाम पर रखा जाए, ताकि विद्यार्थी भारतीय इतिहास से परिचित हो सकें। उन्होंने शैक्षिक विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि नई सुविधाओं से छात्रों को न केवल बेहतर शिक्षा मिलेगी, बल्कि उनका समग्र विकास भी होगा।

उन्होंने बताया कि नवनिर्मित भवन में विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ अन्य सहायक गतिविधियों के लिए भी सुविधाएं प्राप्त होंगी। यह भवन आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस है, जो विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और सीखने का माहौल प्रदान करेगा। श्री सुधाकर पवार ने शाला के इतिहास की जानकारी प्रदान की। नगर परिषद अध्यक्ष बैतूल बाजार द्वारा विद्यार्थियों को इस अवसर पर शुभकामनाएं प्रदान की।

विद्यालय परिसर में किया पौधारोपण

सांदीपनि शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैतूल बाजार के नवनिर्मित भवन के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर सभी को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती दुर्गावती वर्मा, उपाध्यक्ष सुरेश गायकवाड, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, जितेन्द्र वर्मा, नरेंद्र शुक्ला, संजय वर्मा, राधिका वर्मा, सुनील पवार, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.अनिल सिंह कुशवाह, पीआईयू के अधिकारी और अन्य शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, संस्था के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन आरके पिंजारे, पुरूषोत्तम देशमुख एवं आभार अभय जोशी ने व्यक्त किया।

वाहन में रात के 3 बजे हो रही थी गोवंश की तस्करी

वाहन छोड़कर फरार हुए तस्कर, भैंसदेही थाना क्षेत्र की घटना

बैतूल, देशबन्धु। भैसदेही थाना क्षेत्र के ग्राम जामझीरी से रात करीब 3 बजे महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाई जा रही 8 नग गायों से भरी एक जाइलो गाड़ी को राष्ट्रीय हिंदू सेना और भैसदेही पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़ लिया गया। यह गोवंश तस्करी राष्ट्रीय हिंदू सेना की सूचना पर की गई त्वरित कार्रवाई के चलते संभव हो सकी।

भैसदेही तहसील संयोजक गितेश गीते ने बताया कि संगठन को यह सूचना मिली थी कि ग्राम जामझीरी से गोवंश को एक सवारी वाहन जाइलो से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा है। भैंसदेही नगर अध्यक्ष हिमांशु राठौर ने बताया कि संगठन के सदस्यों और भैसदेही पुलिस ने ग्राम बरहापुर के पास जाइलो गाड़ी क्रमांक जीजे 05 सीओ 0869 को एक ट्रेक्टर को सडक पर आड़ा लगाकर रोका। पुलिस और संगठन को देखकर तस्कर गाड़ी छोडर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गए।

तहसील गौरक्षा प्रमुख आशीष यादव ने बताया कि तस्करों ने जाइलो गाड़ी की पिछली सीटें काटकर उन्हें क्रूरता पूर्वकर अंदर 8 नग गायों को ठूंस-ठूंस कर भरा था। सभी गायों के मुंह और पैर रस्सियों से बांधे गए थे। इन्हें भूखा-प्यासा ठूंसकर लाया जा रहा था। विभाग अध्यक्ष दीपक कोसे ने बताया कि जब गाड़ी के दरवाजे खोले गए तो दृश्य अत्यंत पीड़ादायक था। सभी गायें रस्सियों से बंधी हुई थीं, एक-दूसरे के ऊपर रखी गई थीं। उन्हें तत्काल पुलिस की उपस्थिति में मां पूर्णा गौशाला पहुंचाया गया। तहसील सह गौरक्षा प्रमुख मोहित वर्मा ने बताया कि तस्करों ने गाड़ी में लाल रंग के पर्दे लगाए थे ताकि किसी को शक न हो। सभी गायों को पुलिस की निगरानी में गौशाला में सुरक्षित छोड़ा गया और जाइलो वाहन को पुलिस ने ज़ब्त कर लिया। राष्ट्रीय हिंदू सेना के सदस्य लगातार गोवंश तस्करों पर नज़र रखते हुए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इस अभियान में प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, प्रफुल्ल मगरदे, धीरज बारस्कर, अंशुल राठौर, मोहित बारस्कर, श्रीधर गीत और सागर मायवाड भी मौजूद रहे।

नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

बैतूल, देशबन्धु। अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर ओम आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल बैतूल की ओर से नशा मुक्ति जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत कॉलेज के अध्यक्ष गणेश मालवी, कोषाध्यक्ष सोनू पाल तथा प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र शाह के संबोधन और अनुमति के साथ हुई। कार्यक्रम में भारत-भारती और कढ़ाई क्षेत्र के नागरिकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जिन्हें नशे से होने वाली सामाजिक और शारीरिक हानियों के बारे में विस्तार से बताया गया। रैली में ओम आयुर्वेदिक कॉलेज के लगभग 200 छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण और कर्मचारी शामिल हुए। उपस्थित सभी लोगों को नशा मुक्ति की शपथ डॉ. संदीप पाल द्वारा दिलाई गई। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। रैली में उत्साह का माहौल रहा और मार्ग में चलते हुए विद्यार्थियों ने नारे लगाकर नशा विरोधी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया। आयोजन का समापन डॉ. संदीप पाल के आभार प्रदर्शन के साथ किया गया। उन्होंने बताया कि इस रैली का उद्देश्य नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा युवाओं को नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

देर रात तक चली मतगणना, अशोक वर्मा को 314, अजय सिंह चौहान को मिले 269 वोट

वर्मा बने अभिभाषक संघ के नए अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। जिला अभिभाषक संघ चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक वर्मा ने अध्यक्ष पद पर विजय हासिल की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी अजय सिंह चौहान को 45 वोटों के अंतर से हराया। शुक्रवार को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक हुए मतदान में कुल 657 अधिवक्ताओं में से 600 ने वोट डाले। इनमें से 583 मत वैध पाए गए, जिनमें अशोक वर्मा को 314 और अजय सिंह चौहान को 269 मत प्राप्त हुए। मतगणना का कार्य देर रात डेढ़ बजे तक चला और फिर परिणाम घोषित किए गए। मतगणना के बाद कोर्ट परिसर में जश्न का माहौल रहा। अशोक वर्मा के समर्थकों ने जीत का जोरदार स्वागत किया। चुनाव में कुल 13 पदों के लिए 26 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालय अध्यक्ष और सात कार्यकारिणी सदस्य शामिल थे। उपाध्यक्ष पद पर अलका दहीर ने 233 वोट हासिल कर जीत दर्ज की। उनके निकटतम प्रतिद्वंदी सुनील अग्रवाल को 177 वोट और राजेश बघेल को 169 वोट मिले। सचिव पद पर बलदेव कुमार महाजन को 271 वोट मिले, जबकि अजय सोनी को 212 और राजेश मंदरे को 117 वोट प्राप्त हुए। सह सचिव पद पर गौरव मगरदे ने 381 वोटों के साथ जीत दर्ज की। उनके मुकाबले दीपक कुमार आसरेकर को 165 और बंटी करोसिया को 34 वोट मिले। कोषाध्यक्ष पद पर सौरभ परिहार ने 336 वोट लेकर विजय हासिल की, जबकि मनोज कुमार डफरे को 237 वोट मिले। पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर लोकेन्द्र शेषकर को 300 वोट और प्रतिद्वंदी शिवकुमार कापसे को 268 वोट प्राप्त हुए।कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए अनिल कुमार राठौर, भवानी प्रसाद दीवान, दिनेश उइके, मनीष कुमार राठौर, मोनिका निरापुरे, नीलेश उसरेटे, पूरनलाल राठौर, राजेश भूमरकर, रोशन मगरदे, संतोष खातरकर और वीरेन्द्र कुमार तिवारी मैदान में थे, लेकिन इन पदों के परिणाम देर रात तक घोषित नहीं हो सके। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवार भी उपस्थित रहे। अशोक वर्मा 56 वर्ष के हैं और उनका अधिवक्ता के रूप में पंजीयन वर्ष 1996 में हुआ था। वे पिछले 28 वर्षों से वकालत कर रहे हैं।

बेटियों का भविष्य संवारने की अनोखी ललक

चिचोली, देशबन्धु। डीबी फाउंडेशन संस्था द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान संस्था के जिला प्रमुख रामचंद्र अखंडे, प्रीतम इवने, सुनील उइके और राकेश वट्टी विशेष रूप से मौजूद रहे। रामचंद्र अखंडे ने बताया कि डीबी फाउंडेशन बेटियों को बचाने और उन्हें रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही है। संस्था से अब तक हजारों बेटियां जुड़ चुकी हैं जो समाज में अपने पैरों पर खड़ी होकर सेवा दे रही हैं।

प्रीतम इवने ने कहा कि संस्था में एक बार पंजीयन कराने पर बेटी के जन्म और विवाह दोनों अवसरों पर सहायता दी जाती है। साथ ही बेटियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें समय-समय पर पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। सुनील उइके ने कहा कि संस्था की ओर से बेटियों को दोहरा लाभ मिलता है। एक बार पंजीयन कराने पर उन्हें जन्म और विवाह के समय सहयोग राशि दी जाती है और साथ ही सुरक्षा बीमा का भी लाभ मिलता है। रोजगार के अवसर मिलने से बेटियां अब अपने परिवार की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इस अवसर पर सुरेंद्र बावने ने कहा कि संस्था का प्रयास सराहनीय है जो बेटियों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने उत्कृष्ट कार्य करने वाली बेटियों को मंच पर सम्मानित भी किया। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां उपस्थित रहीं, जिन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना की।

आमला एसबीआई में पेंशनर मिलन समारोह का हुआ आयोजन

पेंशनर्स हमारे समाज की धरोहर हैं, वे परेशान रहें यह अच्छी बात नहीं

आमला, देशबन्धु। भारतीय स्टेट बैंक शाखा आमला की ओर से पेंशनर मिलन समारोह का आयोजन मध्य रेल्वे इंस्टीट्यूट मे रखा गया था, मुख्य अतिथि क्षेत्रीय प्रबंधक बैतूल से सुदीप मुसरे अध्यक्षता के पी सिसोदे ने की। मंचासीन तुलसीदास जौंजारे शाखा प्रबंधक आमला एवं बोडखी शाखा के प्रबंधक दीपक चढ़ोकार भी उपस्थित थे।

आयोजन में पेंशनर वेलफेयर एसोसिएशन रेलवे आमला के सचिव प्रकाश डाफने ने पेंशनरों की विभिन्न समस्याओं को रखा ।वही शेख खालिक ने भी पेंशनरों की समस्याओं को रखा और भारतीय स्टेट बैंक के इस आयोजन की सराहना की। समारोह मे पेंशनर की समस्याओं को सुना गया एवं तत्काल निराकरण किया गया. भारतीय स्टेट बैंक शाखा आमला के फील्ड ऑफिसर सुरेंद्र मालवीय द्वारा पेंशन लोन से संबंधित जानकारी दी, मिश्रीलाल नरवरे द्वारा ने कहा की पेंशनर कोई समस्या आती हैं तो सीधे मुझसे बात कर सकते। शाखा प्रबंधक तुलसीदास जोंजारे ने कहा कि पेंशनर हमारे समाज की अमूल्य धरोहर है। उनकी चिंता करना हमारा कर्तव्य है। उन्हें किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो इस बात का हम ध्यान रखते हैं। इस प्रकार के आयोजन के माध्यम से हम पेंशनरों की समस्याओं को साझा करते हैं। उनका निराकरण करते हैं। इस अवसर पर संदीप मुसरे क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा पेंशनर की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया.आयोजन मे रेल्वे पेंशनर वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रकाश डाफ्ने अध्यक्ष नारायण नावंगे सचिव अनंतपरसाद उपाध्यक्ष आलमखान महादेव पंडागरे मधुकर मौखेडे पी बी डोंगरे जितसिंग एम जी चढोकार उपसचिव सुखलाल मौर्य, श्रीराम गाठीया रविकांत डाफणे, प्रकाश अतुलकर,रामरतन जोंजारे अशोक परिहार साबलेजी, दिलीप चौकीकर महीला संगठन अध्यक्ष नफीसा शाह, चन्द्रकला हरसूले सरिता,भागा बाई सुनिता ऊईके, उमाबाई, मंगला पौनीकर, और,अन्य पेंशनर उपस्थित थे इसे सफल बनाने मे मुख्य कार्य बबलू चौकीकर, एवं किशोर यादव ने किया साथ ही कार्यक्रम में अन्य लोगों ने भी अपना उदबोधन दिया ।

क्षत्रिय लोनारी कुनबी समाज में बिना मतदान चुना अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। क्षत्रिय लोनारी कुनबी समाज संगठन के जिला निर्वाचन की प्रक्रिया में 6 जुलाई को मतदान प्रस्तावित था, लेकिन नाम वापसी की अंतिम तिथि 27 जून को कोई भी अभ्यर्थी आवेदन पत्र वापस लेने नहीं आया। ऐसे में किसी भी पद पर चुनाव की नौबत नहीं आई और सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन घोषित कर दिया गया। निर्वाचन समिति ने बताया कि 27 जून को पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आवेदन पत्र वापस लेने का समय निर्धारित था, लेकिन इस अवधि में कोई भी प्रत्याशी अपना नाम वापस लेने नहीं पहुंचा। नाम वापसी के समय सीमा के पूरा होने पर समिति ने वैध पाए गए नामांकन पत्रों के आधार पर पदाधिकारियों की निर्विरोध घोषणा की। समाज के जिला अध्यक्ष पद पर प्रवीण ठाकरे निर्विरोध निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर बी.आर. कुबड़े और अमृत राव देशमुख का निर्वाचन भी निर्विरोध रहा। सचिव पद पर सुरेश गायकवाड़, कोषाध्यक्ष पद पर नामदेव बारस्कर, महिला वर्ग उपाध्यक्ष पद पर राजेश्वरी लिखितकर और सह सचिव महिला वर्ग के रूप में सुमन पंडाग्रे निर्विरोध निर्वाचित हुईं। चुनाव समिति के अध्यक्ष बाबूराव धोटे ने बताया कि किसी भी पद पर विरोध नहीं होने से समाज में आपसी एकता और समझदारी का परिचय मिला है। अब संगठन का नेतृत्व बिना मतदान के ही तय हो गया है। समाज में इस निर्णय का स्वागत किया गया है और निर्विरोध निर्वाचित सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

विधायक ने शोक संवेदना की व्यक्त

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल शनिवार को भ्रमण के दौरान सुभाष वार्ड में स्व. शम्मी पवारे के दुर्घटना में निधन होने पर उनके निवास पर पहुंचे। उन्होंने स्व.शम्मी पवारे के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उनके परिवार से मिलकर शोक संवेदना दी। विधायक खंडेलवाल ने इस कठिन घड़ी में शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक औषधियों के साथ औषधीय पौधों की दी जानकारी

नि:शुल्क आयुष शिविर में 213 लोगों को मिला उपचार

बैतूल, देशबन्धु। आयुष ग्राम हिवरखेड़ी में 28 जून को नि:शुल्क आयुष प्रचार शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 213 लाभार्थियों ने उपचार सेवाओं का लाभ उठाया। यह शिविर संचालनालय आयुष विभाग मध्यप्रदेश शासन, भोपाल के आदेशानुसार एवं कलेक्टर बैतूल नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में, जिला आयुष अधिकारी डॉक्टर योगेश चौकीकर के निर्देशन में आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन एसडी कॉलेज देवगांव में किया गया।

शिविर की जिम्मेदारी नोडल अधिकारी डॉ.लक्ष्मी किशनानी ने निभाई, जबकि सहायक नोडल अधिकारी के रूप में डॉ.वेद प्रकाश डेहरिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ.पूनम नागले, डॉ.पुनीत डोंगरे, डॉ.मनोज सूर्यवंशी, डॉ.शिल्पा धोटे, डॉ.रजनी बडोदे, डॉ. रवीना लहरपुरे सहित कुल 15 कर्मचारियों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान ग्रामीणों को आयुर्वेदिक व होम्योपैथिक औषधियों के साथ औषधीय पौधों की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को योगाभ्यास के लाभ समझाकर उन्हें नियमित योग के लिए प्रेरित किया गया। योग प्रशिक्षक सागर सिवनकर ने 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर कामन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत बच्चों को योगाभ्यास कराया और उपयोगी आसनों का अभ्यास करवाया। शिविर में 138 ग्रामीणों ने आयुर्वेदिक औषधियों का लाभ लिया, वहीं 75 लाभार्थियों ने होम्योपैथिक उपचार लिया। इस तरह कुल 213 लोगों ने आयुष सेवाओं का सीधा लाभ उठाया और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई। ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने इस शिविर को अत्यंत उपयोगी बताया और ऐसी सेवाएं समय-समय पर मिलने की आशा जताई।

पहली बार हनी बी थेरेपी शिविर कल, पुणे और नागपुर से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम करेगी उपचार

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल में पहली बार एक अनूठे और अत्यंत लाभकारी हनी बी थेरेपी शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन क्षत्रिय लोणारी कुणबी समाज संगठन बैतूल द्वारा जयश्री खाडगे मुंबई एवं वैशाली बारस्कर भिलाई के सक्रिय सहयोग से किया जा रहा है। इस शिविर में पुणे और नागपुर से आई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम प्रख्यात चिकित्सक डॉ. श्रीराम दिगंबर कुलकर्णी के मार्गदर्शन में परामर्श और उपचार प्रदान करेगी। यह शिविर सोमवार, 30 जून को सुबह 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक छत्रपति शिवाजी सांस्कृतिक भवन, मानस नगर, इटारसी रोड, सदर, बैतूल में आयोजित किया जाएगा। शिविर में कैंसर, बी.पी.(उच्च रक्तचाप), थायरॉइड, डायबिटीज, गठिया, अस्थमा, पथरी, त्वचा रोग, माइग्रेन, मानसिक रोग, थैलेसीमिया, एड्स, वेरिकोज वेन, ऑस्टियोपोरोसिस और रीढ़ व हड्डियों से संबंधित 70 से अधिक जटिल बीमारियों का प्राकृतिक उपचार किया जाएगा। श्रीमती जयश्री खाडगे ने बताया कि इस चिकित्सा पद्धति का उद्देश्य बिना इंजेक्शन या ऑपरेशन के केवल मधुमक्खी के डंक और प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान के माध्यम से रोगों का उपचार करना है। यह पद्धति पिछले दो दशकों में मुंबई, पुणे, नागपुर, अमरावती,इंदौर, उज्जैन सहित कई शहरों में हज़ारों मरीजों को लाभ पहुंचा चुकी है। अब यह सेवा बैतूल के नागरिकों के लिए उपलब्ध हो रही है। डॉ. श्रीराम दिगंबर कुलकर्णी पिछले 19 वर्षों से हनी बी थेरेपी के माध्यम से लाखों रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज कर चुके हैं। यह चिकित्सा विधि प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर रोगों को जड़ से समाप्त करना है। शिविर में भाग लेने के इच्छुक नागरिक नाममात्र शुल्क पर परामर्श एवं उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

पर्यवेक्षक के आने की आहट से बढ़ी सरगर्मी

नया प्रदेश अध्यक्ष कौन? 2 जुलाई को होगा तय

एक दर्जन से अधिक दावेदार

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा , 2 जुलाई को यह तय हो जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए नियुक्त केन्द्रीय पर्यवेक्षक केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के भोपाल आने की आहट के साथ ही इसे लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। श्री प्रधान 1 जुलाई को भोपाल आएंगे। बताया जाता है कि 2 जुलाई को प्रदेश अध्यक्ष का नाम घोषित कर दिया जाएगा। नए अध्यक्ष को लेकर विचार मंथन तेज हो गया है। बताया जाता है कि प्रदेश अध्यक्ष का चयन केन्द्रीय नेतृत्व की मंशा के अनुसार होगा। लेकिन यहां पूरी चुनावी प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाएगी। इसके तहत पर्यवेक्षक की मौजूदगी 1 जुलाई को नामांकन प्रस्तुत किए जा सकते हैं। जबकि 2 जुलाई को अध्यक्ष के नाम पर आम सहमति बनाई जाएगी। उसके बाद नाम घोषित किया जाएगा। इस पद के लिए

एक दर्जन से अधिक नेता दावेदार हैं। भाजपा नेतृत्व इस बार सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय समीकरण और आगामी चुनावों की रणनीति के तहत नए अध्यक्ष का चयन करना चाहता है।

प्रदेश अध्यक्ष को लेकर यह कहा जा रहा है कि भाजपा फिर से किसी ब्राह्मण चेहरे पर दांव लगा सकती है। इसमें मौजूदा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के अलावा डॉ. नरोत्तम मिश्रा, गोपाल भार्गव, आलोक शर्मा के नाम चर्चा में हैं। वहीं दलित चेहरे के रूप में लाल सिंह आर्य प्रमुख दावेदार हैं। वहीं राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी और विधायक हरिशंकर खटीक के नाम की भी चर्चा है। वैश्य वर्ग से विधायक हेमंत खंडेलवाल का नाम शुरू से ही प्रमुख रूप से लिया जा रहा है, जबकि मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता का नाम भी उभरा है। आदिवासी वर्ग से पूर्व केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते के अलावा केन्द्रीय मंत्री दुर्गा प्रसाद उइके और खरगोन सांसद गजेन्द्र पटेल का नाम अचानक चर्चाओं में आया है। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए महिला नेत्रियों के नाम भी चर्चा में है। इसमें पूर्व मंत्री अर्चना चिटनीस, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार, विधायक रीति पाठक का नाम लिया जा रहा है। भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व अपने फैसलों से चौंकाता रहा है। इसलिए कोई नया नाम भी सामने आ सकता है।

पटवारी के खिलाफ एफआईआर को कांग्रेस ने बताया हथकंडा

एनएसयूआई के प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रोका, 30 गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर के विरोध में आज कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे ने कहा कि यह एफआईआर विपक्ष की आवाज को दबाने का एक राजनीतिक हथकंडा है। जीतू पटवारी ने सिर्फ एक पीड़ित को न्याय दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज करा दिया। वहीं कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई हाथों में कागज की तलवार लेकर सड़क पर उतर आए और मुख्यमंत्री कार्यालय जाने की जिद पर अड़े रहे, इसके बाद पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक कर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने इस दौरान एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे सहित 30 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एनएसयूआई नेता ने कहा कि यह लड़ाई केवल जीतू पटवारी के सम्मान की नहीं, बल्की शोषितों, वंचितों, दलितों और लोकतंत्र की आवाज की है। वहीं कांग्रेस नेता पीसी शर्मा और सुखदेव पांसे ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने शुरुआत में अपनी आपबीती बयान की थी। जैसे उसे मल खिलाया गया, बंदूक तानी गई, मोटरसाइकिल छीनी गई। 10 जून से लेकर 18 जून तक उसने यही बातें सार्वजनिक रूप से कहीं, लेकिन अब सरकार के दबाव में उसे पीछे हटने पर मजबूर किया गया। वही अब दबाव में बयान बदल रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जब पीड़ित को इंसाफ नहीं मिला, तो उसने आत्महत्या की भी कोशिश की, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने समझाकर उसे रोका।

विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास : सिंगार

विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने भी इस मुद्दे पर ट्वीट करते हुए लिखा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के विरुद्ध हुई एफआईआर, विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास है। चाहे सरकार कितनी भी कोशिश कर ले, मध्य प्रदेश कांग्रेस का हर सिपाही जनता के हितों के लिए निरंतर लड़ता रहेगा।

प्रलोभन देकर रची साजिश : अग्रवाल

भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस ने भोले-भाले युवाओं को बरगलाकर मोटरसाइकिल और अन्य प्रलोभन देकर साजिश रची है। कांग्रेस के ही एक अकाउंट से झूठा वीडियो वायरल किया गया और अब वे उसी को सच बताकर मीडिया को भी गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी खोई हुई साख को वापस पाने के लिए कांग्रेस मध्यप्रदेश की छवि को खराब कर रही है। जीतू पटवारी अब राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुके हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पटवारी पर साधा निशाना, कहा-

चोर की दाढ़ी में तिनके वाली कहावत चरितार्थ

भोपाल,देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जीतू पटवारी ने अपने बयान से चोर की दाढ़ी में तिनका को चरितार्थ कर दिया है। जीतू पटवारी को यह याद रखना चाहिए कि प्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा की संवेदनशील सरकार है, जो हर मामले में तत्परतापूर्वक कार्रवाई करती है। फिर चाहे वो किसी निर्दोष के उत्पीड़न का मामला हो, या झूठ फैलाकर मध्यप्रदेश का सामाजिक सौहार्द्र खराब करने का प्रयास हो।

भाजपा की सरकार में अपराध किसी दबाव में दर्ज नहीं होता। कांग्रेस की आदत रही है दबाव में इस प्रकार प्रकरण दर्ज कराने की, इसलिए वे अनर्गल बयानबाजी करते हैं। भाजपा सरकार में कानून अपना कार्य करता है, उसमें किसी का हस्तक्षेप नहीं होता है। जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया के माध्यम से झूठे तथ्यों के आधार पर जिस तरह से समाज के वातावरण को बिगाड़ने का प्रयास किया है, निश्चित रूप से इसके लिए उन्हें बेशर्मीपूर्ण झूठ बोलने का गोल्ड मेडल दिया जाना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि विपक्ष का दायित्व होता है कि वह सकारात्मक भूमिका निभाए, जनता की आवाज उठाए, लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अपनी इस जिम्मेदारी को निभाने की बजाय झूठ फैलाकर समाज का वातावरण खराब करने का प्रयास कर रहे थे। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करके प्रदेश सरकार ने सतर्कता और जागरूकता का परिचय दिया है तथा अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह किया है।

जयस नेता सरठिया सहित कई नेताओं ने ली भाजपा की सदस्यता

भोपाल,देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद के समक्ष शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में अनूपपुर जिले की पुष्पराजगढ़ विधानसभा के जयस पार्टी के प्रदेश सचिव राजेश कुमार सरठिया, जनपद सदस्य नेमा सिंह मार्को, पूर्व जनपद सदस्य धनीराम सिंह मरावी, ग्रामसभा अध्यक्ष जगदीश सिंह धुर्वे, सरपंच महेन्द्र सिंह परस्ते, पूर्व पंच, सरपंच सहित 31 से अधिक जयस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल एवं अनुपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम उपस्थित रहे।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।